

वेल रेड कोरियन जिनसैंग (6 वर्ष पुराना)

प्रकृति के द्वारा हमें बहुत से ऐसी नियामतें प्रदान की गई हैं जिनका इस्तेमाल करके हम न सिर्फ अपने को स्वस्थ बनाये रख सकते हैं बल्कि बहुत सारी बीमारियों को भी दूर कर सकते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि प्रकृति ने उन नियामतों के साथ पहचान चिन्ह भी दिया है जैसे—

- अखरोट का आकार मानवीय खोपड़ी की तरह होता है जो मस्तिष्क के लिए अच्छा माना जाता है।
- गाजर के काटने पर आंख की रेटिना जैसा चित्र दिखता है इससे पता चलता है कि गाजर आंखों के लिए फायदेमन्द होता है।
- अनार का दाना दांतों की आकृति जैसा होता है जो कि दांतों के लिए फायदेमन्द होता है।
- टमाटर काटने पर दिल के जैसा दिखता है इसीलिए टमाटर दिल के लिए अच्छा माना जाता है।

जो फल शरीर के जिस अंग की तरह बना होता है वह उसी के लिए फायदेमन्द माना जाता है।

क्या आप जानते हैं कि एक ऐसा भी पौधा है जो पूर्ण रूप से मानव की आकृति जैसा होता है,

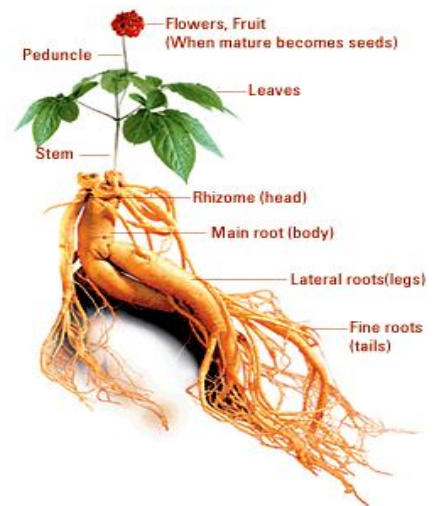
जी हाँ.....

जिनसैंग एक ऐसा औषधीय पौधा है जिसके जड़ों की संरचना मनुष्य के शरीर की तरह होती है। जिनसैंग एक अंग्रेजी शब्द है जो चीनी शब्द 'जेन-सेन' से बना हुआ है जिसका अर्थ है— 'इमेज ऑफ मेन'।

इसकी आकृति यह बताती है कि यह हमारे पूरे शरीर पर काम करता है। इसके औषधीय गुणों के कारण इसे बहुत सी उपाधियां दी गयी हैं। जैसे—'विश्व का आश्चर्य', 'जीवन का अमृत', 'औषधियों का राजा' आदि।

मुख्यतः जिनसैंग की तीन वेरायटी होती है:—

1. **फ्रेश जिनसैंग** : एक साल के अन्दर ही निकाल लेते हैं। इसे कच्चा जिनसैंग भी कहते हैं।



2. **व्हाइट जिनसेंग** : इसे तीन से चार साल के भीतर निकालते हैं।

3. **रेड जिनसेंग** : इसे छः साल के बाद निकालते हैं। इस अवधि के दौरान यह औषधीय गुणों से परिपक्व हो जाता है।

सम्पूर्ण विश्व में **सर्वोत्तम जिनसेंग** कोरिया में पाया जाता है। **दक्षिण कोरिया** में **पुंगी** नामक स्थान जिनसेंग की खेती के लिए सर्वाधिक अनुकूल है। जिनसेंग की मुख्यतः तीन प्रजातियां हैं—

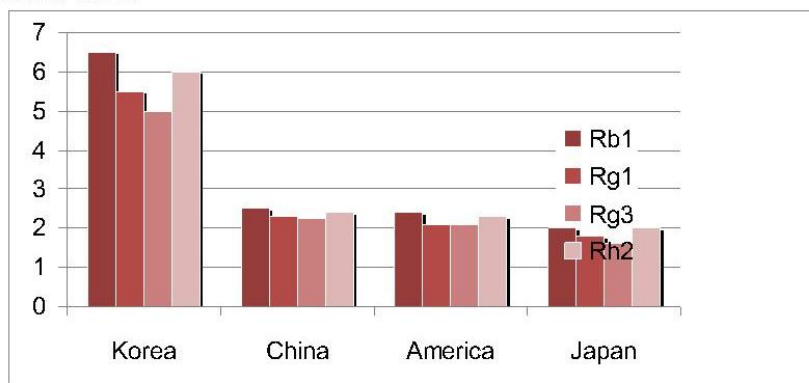
- एशियन जिनसेंग
- अमेरिकन जिनसेंग
- साइबेरियन जिनसेंग (Not a true Ginseng)

अन्य स्थानों जैसे— साइबेरिया, चीन या अमेरिका में पाये जाने वाले जिनसेंग में 4–15 जिनसेनोसाइड्स ही पाये जाते हैं जबकि **6 ईयर ओल्ड रेड कोरियन जिनसेंग** में **38 जिनसेनोसाइड्स** पाये जाते हैं।

विशेषताएँ:—

- जिनसेनोसाइड्स का सर्वोत्कृष्ट प्रकार
- 38 प्रकार के जिनसेनोसाइड्स
- एडाप्टोजेन
- 1908 में स्थापित **कोरिया पुंगी जिनसेंग कोऑपरेटिव एसोसिएशन** साउथ कोरिया से आयातित

Comparison Chart



Total Ginsenoside

38

15

14

13

Source:



Rb1 : रुकवट, थकावट एवं केन्द्रीय स्नायु तंत्र की स्थिरता

Rg1 : चुस्ती, फुर्ति एवं उत्साह इत्यादि

Rg3 : कैंसर कोशिकाओं के संक्रमण पर नियंत्रण

Rh2 : कैंसर कोशिकाओं के प्रसार पर नियंत्रण

जिनसेंग क्यों?:-

- शरीर के हार्मोनल सन्तुलन को बनाये रखने के लिए।
- मानसिक एकाग्रता को बढ़ाने और स्मृति क्षरण को रोकने के लिए।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने के लिए।
- रक्त शर्करा (डायबिटीज) और रक्त दबाव (ब्लड प्रेशर) को नियंत्रित करने के लिए।
- लैंगिक कमजोरी को दूर करने के लिए।
- रोगग्रस्त के स्वास्थ्य में जल्दी सुधार के लिए।

जिनसेंग उपयोग करने के 10 कारण:-

- मौसम के बदलाव में शरीर को अनुकूल बनाता है।
- रोगों से लड़ने की क्षमता को बढ़ाता है।
- पाचन शक्ति को मजबूत करता है।
- तनाव और थकान के खिलाफ लड़ने में शरीर की मदद करता है।
- स्टेमिना और सहनशक्ति बढ़ाता है।
- मानसिक और बौद्धिक क्षमता बढ़ाता है।
- पुरुषों में पुरुषार्थ को जीवंत बनाता है। जीने की जिजीविषा बढ़ाता है। लैंगिक शिथिलता को दूर करता है।
- असमय बुढ़ापे को रोकता है।
- एड्स और हेपटाइटिस जैसे रोगों में दवाइयों के साथ लेने पर शरीर को जल्दी ठीक करता है।
- सम्पूर्ण शरीर को पुनर्जीवित, परिष्कृत और सुदृढ़ बनाता है।

उपयोग विधि:-

1-1 टेबलेट सुबह-शाम खाने से पूर्व

सावधानी:-

किडनी सम्बन्धित रोगों में डॉक्टर की सलाह पर लें।

वेल इन्टेलेक्टे

धूल व धुआपूरित वातावरण और बढ़ते कंक्रीट के जंगलों में हम कितने सुरक्षित हैं?... कभी सोचा आपने! भागदौड़ भरी जिन्दगी। तनावों और दबावों की प्रतियोगिता में मानव मस्तिष्क कब अस्पतालों में हिचकोले लेने लगता है, पता नहीं चलता। चिकित्सकों की खोज में भटकता व्यक्ति दवाओं की प्रयोगशाला मात्र बन कर रह गया है। प्रदूषण से पर्यावरण को बचाना अगर जरूरी है तो मानव को बचाना अनिवार्य है। यहां पर्यावरण व मानव का अन्योन्याश्रित सम्बन्ध है।



किशोरावस्था में बढ़ती उम्र के लक्षण, आंखों पर चढ़ता चश्मा, घटती याददाश्त, बढ़ती घबराहट, निराशा, अवसाद— क्या हमारे समाज के आम व्यक्ति के आम लक्षण नहीं हैं? अगर हैं तो कारण कहीं न कहीं प्रदूषण भी है। यही नहीं अब तो प्रदूषण ने जीवों के प्रजनन क्षमता पर भी प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया है। एक तरफ जहाँ मानव मस्तिष्क की क्षमता में वृद्धि हो रही है तो वहीं प्रजनन के लिए आवश्यक शुक्राणुओं की संख्या में तीव्र ह्रास हो रहा है।

अब मानव प्रदूषण को दूर करे या स्वयं के अस्तित्व को संरक्षित! दोनों ही अति-आवश्यक हैं और सम्भव भी है। प्रदूषण आज पूरे विश्व की समस्या है। फिर भी न्यूजीलैंड एक ऐसा देश है जो पूर्णतः प्रदूषणमुक्त है। यहीं से हमारे आशा और अस्तित्व की गंगा निम्नित होती है जो हमें संरक्षित ही नहीं वरन् सुरक्षित भी करती है। न्यूजीलैंड में पाया जाने वाला वृक्ष **पायनस रेडियेटा** का जल संश्लेषण विधि द्वारा प्राप्त आसव **वेल इन्टेलेक्टे** के नाम से आपको स्वस्थ एवं समृद्ध रखने के लिए आपके पास है।

विशेषता :-

इन्टेलेक्टे में पाये जाने वाला एन्जोजिनॉल आज के परिस्थितिजन्य गंभीर रोगों से लड़ने और बचने में हमारी सहायता करता है। हमारे शरीर में फ्री रेडिकल्स के रूप में

विचरण कर रहे आक्सीडेंट के सफाई में भी यह महती भूमिका निभाता है। साथ ही विटामिन सी की उच्चतम सान्द्रता वाला एसिरोचेरी एक्सट्रैक्ट और साइट्रस बायो फ्लेवोनॉयड्स का मिश्रण इसे अमृत तुल्य बना देता है। यही कारण है कि अब तक प्राप्त तमाम शोध अभी तक इन्टेलेक्टे का कोई भी दुष्प्रभाव नहीं निकाल पाए हैं। हाँ यह जरूर हुआ है कि इसका अच्छा प्रभाव हमारे शरीर पर कुछ दिन से लेकर कुछेक हफ्तों में ही दिखने लगता है। स्मृति क्षरण की बढ़ती घटनाओं में यह हमारी मस्तिष्क को दैहिक उम्र से 12 साल अधिक सक्रिय करने में सक्षम है। हृदय व स्नायु रोगों के साथ-साथ हमें पुराने रोगों से भी निजात दिलाने में असरकारक है।

घटक तत्व	गुण	लाभ
एन्जोजिनॉल	सर्वश्रेष्ठ एन्टीऑक्सीडेंट	डीएनए के क्षति को रोकता है और जीवन को स्वस्थ, सक्रिय और ऊर्जावान रखता है।
साइट्रस बायोफ्लेवोनॉयड्स	फाइटोन्यूट्रीएण्ट्स का सर्वोत्तम स्रोत	
एसिरोला चेरी एक्सट्रैक्ट	विटामिन सी का उच्चतम स्रोत	

इन्टेलेक्टे के फायदे :-

एन्टी-एजिंग :-

बढ़ती उम्र की प्रक्रिया को कम करता है। वैज्ञानिकों ने चूहों को देने पर उनकी औसत आयु में 18.4 प्रतिशत की वृद्धि पायी। इन्जीजेनॉल पर किये गये अध्ययन ये बताते हैं कि यह हमारे शरीर की कोशिकाओं में होने वाले क्षति को सुरक्षा प्रदान करता है, विशेषकर डी.एन.ए. और प्रोटीन को। श्वेत रक्त कणिकाओं की डी.एन.ए. संरचना में होने वाली क्षति को 40 प्रतिशत तक कम करता है। लैंगिक क्षमता को बढ़ाता है। दांपत्य जीवन को खुशहाल बनाता है।

मस्तिष्क स्वास्थ्य:-

- यह मस्तिष्क की क्रियाशील आयु को 7-12 साल बढ़ाने में सहायता प्रदान करता है।

- यह याददाश्त को तीक्ष्ण बनाता है।
- मानसिक एकाग्रता पर गहरा प्रभाव डालता है।
- बुद्धिलब्धता को मजबूती प्रदान करता है।
- समय के साथ मस्तिष्क की सक्रियता को समायोजित करता है।

त्वचा स्वास्थ्य:—

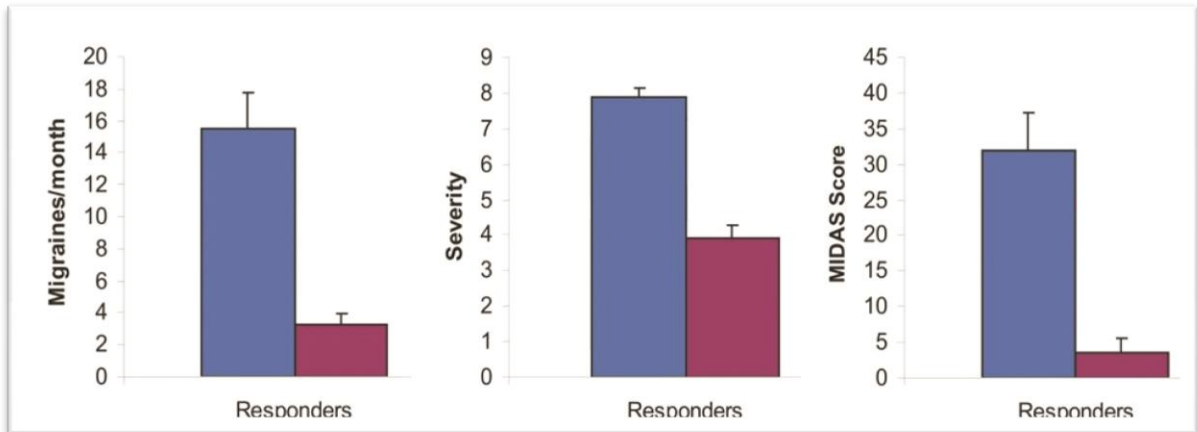
- कोशिका तन्तुओं के लचीलेपन को बनाये रखता है।
- अल्ट्रावॉयलेट रेडियेशन के प्रभावों से त्वचा की सुरक्षा करता है।
- त्वचा को लचीला, मजबूत व सौम्य बनाता है।

चक्षु स्वास्थ्य:—

- इन्टेलेक्टे आंखों के लिए लाभकारी है।
- दृष्टि को बढ़ाता है और नज़र को कमजोर होने से बचाता है।
- दृष्टि—दोष में केवल विटामिन—सी के अपेक्षा इन्टेलेक्टे पांच गुना अधिक प्रभावकारी है।

माइग्रेन (सिर दर्द):—

- स्वस्थ रक्त संचरण और स्वस्थ रक्तचाप के स्तर को बनाये रखने में सहायता करता है।
- दर्द और उसकी पुनरावृत्ति को कम करता है।
- शोध से यह पता चलता है कि माइग्रेन जो कि लाइलाज है और इसमें जहाँ अन्य दवाइयों का कोई असर नहीं होता, वहीं इसके तीन महीने लगातार सेवन करने से यह रोग भी ठीक हो सकता है।



53% (18 of 34) of patients responded:

- **79% reduction in headache days**
- **50% reduction in severity**
- **89% reduction in disability**

इन्टेलेक्ट इस्तेमाल के मुख्य कारण:—

1. विटामिन-सी की प्रचुरता ।
2. ऊतकों की वृद्धि, मरम्मत, घाव के भरने और कोलाजेन निर्माण में सहायक है ।
3. स्वस्थ त्वचा, उपास्थि, स्नायु, अस्थिरज्जु और रक्तवाहिकाओं के लिए महत्वपूर्ण है ।
4. संक्रमण से बचाव के लिए प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है ।
5. फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान को कम करता है ।
6. स्वास्थ्यवर्धक फाइटोन्यूट्रियेन्ट का स्रोत ।
7. रक्त संचरण प्रणाली को शक्तिशाली बनाता है ।
8. हृदयाघात की संभावना को कम करता है ।
9. रेह्यूमेटॉयड आर्थराइटिस के प्रभाव को नियंत्रित करता है ।

वैल स्ट्रॉंग एंड स्मार्ट

बच्चे हमारे भविष्य हैं, हमारे देश का भविष्य है। स्वस्थ बचपन ही स्वस्थ भविष्य और स्वस्थ समाज का निर्माण करता है। बच्चों के लिए हम कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। यहां तक कि हम अपनी व्यक्तिगत इच्छाओं को दबाकर बच्चों की इच्छाओं को पूरा करने का प्रयास करते हैं। जिन सपनों को हम पूरा नहीं कर पाते उन्हें अपने बच्चों में देखते हैं। जो चीजें हमें अपने बचपन में नहीं मिली होती हैं, उन्हें भी या उससे भी ज्यादा हम अपने बच्चों को देना चाहते हैं क्योंकि बच्चों पर हमारा भविष्य निर्भर है।



बच्चे हमारे या अपने सपनों को तभी पूरा कर पायेंगे जब वो स्वस्थ होंगे और सही ढंग से विकास करेंगे। स्वस्थ रहने के लिए बच्चों की रोग-प्रतिरोधक क्षमता मजबूत और पाचन तंत्र सही होना चाहिए लेकिन ऐसा हो नहीं पाता। क्योंकि बच्चे जिद करके मैगी, नूडल्स, बर्गर, कुरकुरे आदि जंकफूड ले लेते हैं लेकिन परम्परागत पौष्टिक आहार नहीं लेते। परिणामस्वरूप बच्चे सुस्त और मन्द होने लगते हैं और उनका विकास अवरुद्ध होने लगता है।

अक्सर हमारे बच्चे ये कहते हैं— 'भूख नहीं है' 'खाने का मन नहीं है', पढ़ने का मन नहीं कर रहा है', 'मैं सोने जा रहा हूँ', 'मैं किसी से बात नहीं करना चाहता'..... ऐसे में आप क्या करते हैं— उन पर दबाव बनाते हैं, उन्हें डांटते हैं या उन्हें समझाते हैं? दरअसल उन्हें समझाने के साथ हमें भी यह समझने की जरूरत है कि जब बच्चों को सही पोषण नहीं मिलेगा तो न सिर्फ उनका विकास रुकेगा, बल्कि वो कमजोर व चिड़चिड़े भी होंगे।

—:बच्चों का विकास द्विस्तरीय प्रक्रिया है:—

पहला: शारीरिक विकास:—इसमें हड्डियों का विकास, मांसपेशियों का विकास, दांतों का निकलना, बालों का बढ़ना आदि आता है। इसके लिए शरीर को पर्याप्त कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन्स और मिनेरल्स आदि की जरूरत पड़ती है।

दूसरा: मानसिक विकास:—

इसमें ग्रहण शक्ति, याददाश्त में वृद्धि, एकाग्रता, जिज्ञासा और अन्य क्रियाओं में रुचि आदि शामिल है। इसके लिए अच्छे ब्रेन सप्लीमेन्ट की जरूरत होती है।

इसके अतिरिक्त हमारे सामने एक और चुनौती है— बच्चों को बीमार होने से बचाना। इसके लिए रोग-प्रतिरोधक क्षमता का मजबूत होना और पाचन तंत्र का ठीक होना आवश्यक है।

हमारी इन्हीं चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए मोदीकेयर लाया है—**वेल स्ट्रांग एंड स्मार्ट**। ये बच्चों को मजबूत ही नहीं, चुस्त दुरुस्त और तन्दुरुस्त रखने में आपकी मदद करेगा। इसका चाकलेटी फ्लेवर बच्चों को पसन्द आता है।

विशेषताएं:—

घटक तत्व	लाभ
कॉलेस्ट्रॉल	प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है। बच्चा बीमार नहीं पड़ता।
डी.एच.ए.	मस्तिष्क के विकास और कार्य को प्रेरित करता है। बच्चा कुशाग्र बुद्धि का होता है। पढ़ने में एकाग्रता बढ़ती है।
एफ ओ एस	बच्चे की पाचन क्रिया को मजबूत बनाता है।
मिल्क प्रोटीन	मांस पेशियों के निर्माण एवं सशक्तिकरण में सहायक
विटामिन्स एवं खनिज तत्व	शारीरिक विकास एवं रख-रखाव में सहायक है।

कैसे लें?:—

1. प्रतिदिन 1 चम्मच 2 से 4 वर्ष तक के बच्चों के लिए
2. प्रतिदिन सुबह-शाम 2 चम्मच 4 वर्ष या इससे ऊपर

सावधानी:—

यह दो साल से कम उम्र के बच्चों के लिए नहीं है।

वेल प्रोटीन नरीशर

व्यक्ति के जीवन में सही शारीरिक पोषण की बहुत आवश्यकता होती है। खान-पान की गलत आदतें तमाम नये रोग होने की कारण हैं। शारीरिक पोषण को सही करने हेतु हमारी खुराक में प्रोटीन का सही मात्रा में होना अति-आवश्यक है। जैसे मकान ईंटों से मिलकर बना होता है, वैसे ही हमारे शरीर का तकरीबन 20 प्रतिशत भाग प्रोटीन से बना होता है। प्रोटीन एमीनो एसिड्स से बना होता है।



कुल 20 तरह के एमीनो एसिड्स होते हैं जिनमें 11 आवश्यक एमीनो एसिड्स का शरीर स्वयं निर्माण करता है। शेष 9 जिसको अति-आवश्यक एमीनो एसिड्स कहते हैं उसे हम बाहर से ग्रहण करते हैं। इसके लिए भोजन का संतुलित एवं पौष्टिक होना अति-आवश्यक है। पर प्रायः ऐसा होता नहीं। ऐसे में ही जरूरत होती है हमें बाहरी सप्लीमेन्ट की।

प्रोटीन हमारे शारीरिक विकास, बीमारियों से बचाव एवं नये कोशिकाओं के निर्माण में सहायक होते हैं। प्रोटीन हमारे घावों के भरने में भी प्रभावकारी होता है। मोदीकेयर के प्रोटीन पाउडर में सभी आवश्यक एमीनो एसिड्स होते हैं तथा यह 98 प्रतिशत तक पाचन योग्य है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने प्रोटीन की गुणवत्ता के आकलन के लिए एक मानक तय किया है। इसको PDCAAS (Protein Digestibility Corrected Amino Acid Score) कहते हैं। इस स्कोर में सर्वाधिक अंक 1 है, जो कि मोदीकेयर प्रोटीन पाउडर को मिला है। इससे यह सिद्ध होता है कि मोदीकेयर का प्रोटीन पाउडर मार्केट में उपलब्ध सर्वोत्तम प्रोटीनों में से एक है।

घटक तत्व	विशेषता	लाभ
9 एमीनो एसिड्स	प्रोटीन निर्माण में सहायक	सन्तुलित आहार
आइसो-सोया प्लेवोन्स	प्रोटीन का शुद्धतम रूप जो कि कैल्शियम के क्षरण को रोकता है	रजोनिवृत्ति के बाद महिलाओं में होने वाली आस्टियोपोरोसिस को नियंत्रित करता है।
कोलेस्ट्रॉल फ्री	रक्त संचार में सहायक	नियंत्रित रक्त चाप एवं स्वस्थ हृदय
शर्करा मुक्त	डायबिटीज लोगों के लिए भी खाने योग्य	स्वस्थ शरीर
पाचनशील	किसी भी तापक्रम पर विकृत नहीं होता	जिससे 98 प्रतिशत तक हमारा शरीर इसका उपभोग करता है।

चाहे आप किसी भी उम्र के हों प्रोटीन पाउडर आपके लिए सबसे बढ़िया सप्लीमेन्ट है। यह बच्चों, वृद्धों, गर्भवती व दूध पिलाने वाली महिलाओं व खिलाड़ियों के लिए अत्यन्त आवश्यक है। वेल प्रोटीन का सेवन किसी भी प्रकार से जैसे— दूध, फल, सब्जी, सूप, दाल, रोटी अथवा किसी भी व्यंजन के साथ किया जा सकता है।

प्रयोग:—

इसका सेवन 1 चम्मच सुबह व 1 चम्मच शाम में करना चाहिए।

बच्चों के शारीरिक विकास हेतु 1.5 ग्राम प्रतिकिलो शारीरिक वजन एवं व्यस्क को 1.0 ग्राम प्रतिकिलो शारीरिक वजन व गर्भवती महिलाओं को 1.75 ग्राम प्रतिकिलो शारीरिक वजन की दर से प्रोटीन की आवश्यकता होती है।

लाभ:—

- 1. मजबूत मांस पेशियां :** मांस-पेशियों के निर्माण एवं मरम्मत हेतु प्रोटीन की आवश्यकता होती है।
- 2. त्वचा की चमक :** प्रोटीन में पाये जाने वाला ल्यूसिन एवं लाइसिन नामक एमीनो एसिड्स त्वचा के स्वास्थ्य एवं चमक को बरकरार रखता है।
- 3. वजन नियंत्रण :** यदि आप अपना वजन नियंत्रित करना चाहते हैं तो कार्बोहाइड्रेट की मात्रा कम से कम लें। जैसे— चावल, नूडल्स आदि। अधिकाधिक सोया प्रोटीन का सेवन करें।

प्रोटीन उपयोग के 10 कारण:-

1. वेल प्रोटीन पाउडर में प्रोटीन की 80 प्रतिशत मात्रा होती है। इसमें प्रति 10 ग्राम में 8 ग्राम प्रोटीन मिलता है।
2. वेल प्रोटीन सोया तथा दूध से निकाले गये उच्च क्वालिटी का प्रोटीन है।
3. यह एक प्राकृतिक प्रोटीन है। इसमें कोई भी रंग-मिठास अलग से नहीं मिलाया गया है।
4. सोया में कैल्शियम की मात्रा होती है।
5. सोया में कोलेस्ट्रॉल नहीं होता है।
6. वेल प्रोटीन पाउडर में सोया आइसोफ्लेवन्स होता है जो दिल के समस्याओं को कम करने में सहायक होते हैं।
7. वेल प्रोटीन पाउडर WHO के प्रोटीन क्वालिटी मानक (PDCAAS1) पर सर्वोत्तम है।
8. वेल प्रोटीन पाउडर एक शर्करा रहित उत्पाद है।
9. वेल प्रोटीन पाउडर उच्च तापमान पर भी विकृत नहीं होता। इसे अन्य पदार्थों में आसानी से मिलाया जा सकता है।
10. अगर दैनिक भोजन में अल्प वसा एवं कोलेस्ट्रॉल के साथ-साथ हम 25 ग्राम सोया-प्रोटीन का सेवन करें तो हृदय रोगों से बचा जा सकता है। (USFDA)

किन लोगों के लिए लाभदायक:-

1. डायबिटीज वाले लोग
2. दिल सम्बन्धी विकार वाले लोग
3. टी.बी., कैंसर व अत्यधिक कमजोरी वाले लोग
4. वजन के संतुलन के लिए

सावधानी:-

यूरिक एसिड वाले और किडनी की समस्या वाले लोग चिकित्सकीय परामर्श पर ही लें।

वैल मल्टी विटामिन मल्टी मिनरल्स

आधुनिकता के भागम-भाग और आगे बढ़ने की होड़ में खानपान सम्बन्धी आदतें अस्वास्थ्यकर हो गयी हैं। यह भोजन न करने, अनाप-शनाप भोजन लेने या ऐसे उच्च प्रसंस्कृत भोजन लेने के रूप में हो सकता है जिसमें पोषक तत्वों की कमी हो। हमारे नियमित आहार में भोजन के अत्यधिक पका दिये जाने या तलने-भूनने के चलते भी, जिससे भोजन के पोषक तत्व कम हो जाते हैं, उपयुक्त मात्रा में पोषण का अभाव हो जाता है।



हम जो खाते हैं और हमारे शरीर को जिस चीज की आवश्यकता है उन दोनों के बीच पोषण सम्बन्धी अन्तर हो जाता है।

हमारे संतुलित आहार में कार्बोहाइड्रेट, फैट, प्रोटीन, विटामिन्स व मिनरल्स की आवश्यकता है। हमारे आहार में कार्बोहाइड्रेट व फैट तो आसानी से मिल जाते हैं, लेकिन विटामिन्स व मिनरल्स जो तमाम रोगों से सुरक्षा प्रदान करते हैं की सही मात्रा नहीं मिल पाती है। विटामिन्स व मिनरल्स के प्रमुख स्रोत फल, सब्जियां, दूध व अण्डे हैं। आज हम फलों एवं सब्जियों के बारे में बात करें तो शोध बताते हैं—

- 17 प्रतिशत लोग किसी प्रकार की सब्जी का सेवन नहीं करते हैं।
- यदि आलू व सलाद को छोड़ दिया जाय तो 50 प्रतिशत लोग किसी भी प्रकार की सब्जी नहीं खाते।
- सिर्फ 10 प्रतिशत लोग फलों के रस का सेवन करते हैं।
- 60 प्रतिशत लोग कोई भी फल नहीं खाते।
- ताजा सलाद व कटे फल व सब्जियों को यदि 3 घंटे से ज्यादा रखा रहने दिया जाय तो इनमें 40 प्रतिशत से 50 प्रतिशत पोषक तत्व कम हो जाते हैं।

इसका तात्पर्य है कि सभी आवश्यक विटामिन्स व मिनरल्स हमें नहीं मिल पाते।

वेल मल्टीविटामिन्स मल्टीमिनरल्स आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है। जो पोषक तत्वों की कमी को पूरा करता है। यह 12 अत्यावश्यक विटामिन्स, 11 महत्वपूर्ण खनिज तत्वों के साथ 6 फाइटोन्यूट्रीएण्ट्स और 2 एमीनो एसिड्स के साथ-साथ जिनसेंग का अतिरिक्त लाभ प्रदान करता है जो हमारे शरीर के विकास, रख-रखाव और मरम्मत के लिए आवश्यक है।

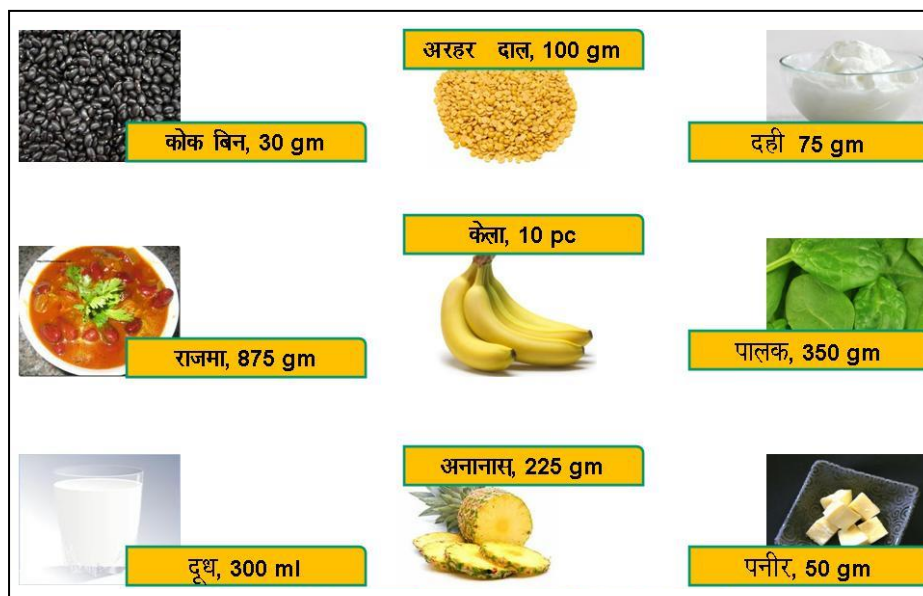
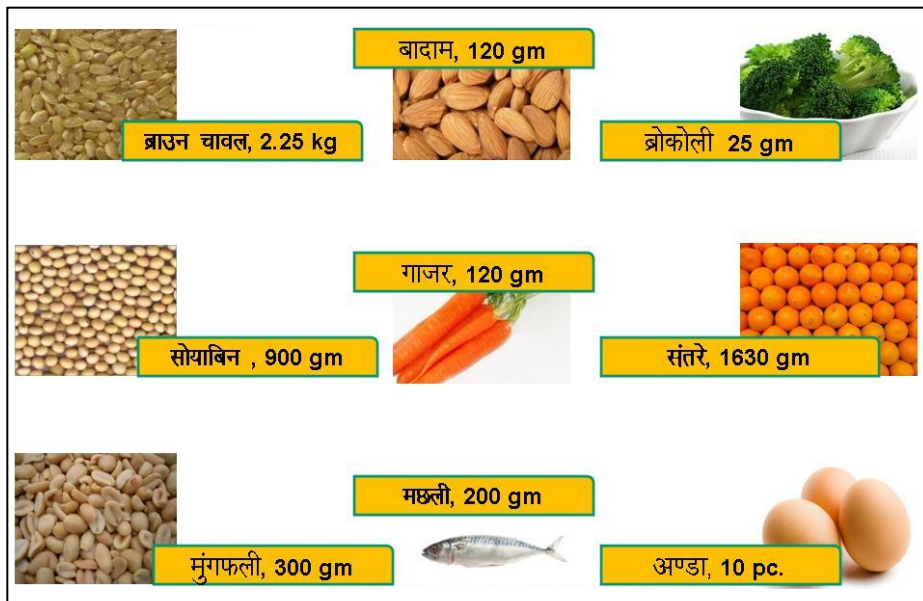
विटामिन्स	कार्य
बी1	स्वस्थ स्नायुतंत्र एवं ऊर्जा उत्पादन
बी2	लाल रक्त कणिकाओं का निर्माण
बी3	ऊर्जा उत्पादन, स्नायु एवं पाचन तंत्र
बी5	तनाव, घबराहट और अवसाद के लक्षणों से लड़ने में सहायक
बी6	लाल रक्त कणिकाओं का निर्माण व हार्मोनल कार्य
फोलिक एसिड	हीमोग्लोबिन का निर्माण व मातृ स्वास्थ्य
बी12	स्वस्थ कोशिका एवं स्नायु
सी	प्रतिरक्षा तंत्र व घाव भरने में सहायक—एण्टिऑक्सिडेंट
ए	स्वस्थ दृष्टि, त्वचा, बाल एवं दाँत के लिए लाभकारी
डी	कैल्शियम अवशोषण, हड्डियों और मांसपेशियों में सहायक
ई	हृदय एवं कोशिकीय स्वास्थ्य में सहायक
के	लिवर व रक्त जमने में सहायक

मिनरल्स	कार्य
कैल्शियम	हड्डियों, दाँत एवं स्वस्थ हृदय की धड़कन में सहायक
आयरन	ऊर्जा एवं हीमोग्लोबिन बनने में सहायक, ऑक्सीजन संचरण
फास्फोरस	अस्थि, दंत स्वास्थ्य एवं ऊर्जा उत्पादन
जिंक	कोशिकीय सुरक्षा व प्रजनन अंगों के विकास में सहायक
मैग्निशियम	मजबूत हड्डी एवं हृदय

मैग्नीज	अस्थि संरचना एवं एंजाइम के निर्माण में सहायक
क्रोमियम	ग्लूकोज व प्रोटीन द्वारा ऊर्जा निर्माण में सहायक
पोटैशियम	तंत्रिका एवं हृदय की मांसपेशियों के लिए आवश्यक
आयोडीन	घेंघा रोग, मस्तिष्क विकास के साथ स्वस्थ बाल, नाखून व त्वचा
मालिब्डेनम	पाचन के लिए आवश्यक एंजाइम उत्पादन एवं आयरन संरक्षण
कॉपर	एंजाइम उत्पादन एवं लौह अवशोषण में सहायक

फाइटोन्यूट्रिएण्ट्स	कार्य
लाइकोपिन	एण्टीऑक्सीडेंट, हृदय के लिए लाभकारी
जिन्सेंग	भारीरक समायोजन में सहायक (एडाप्टोजेन)
जिन्कोबाइलोबा	स्मरण भाक्ति के लिए आवश्यक व पर्यावरण प्रदूषण से लड़ने में सहायक
पिकनोजिनाल	भाक्तिशाली एण्टी ऑक्सीडेंट
ल्यूटिन	नेत्र विकार में लाभकारी
पिपेराइन	पोषण तत्वों के आंतरिक संचरण में सहायक

एमिनोएसिड	कार्य
एललाइसिन	एंजाइम व हार्मोन के संश्लेषण, कैल्शियम के अवशोषण, हड्डी, कॉर्टिलेज, रक्त एवं त्वचा को बनाने में सहायक
एल कार्निटाइन	स्वस्थतंत्रिका तंत्र के लिए आवश्यक, वसा को ऊर्जा में परिवर्तित करने में सहायक





सम्भावित उपभोगकर्ता:—

12 वर्ष या इससे अधिक उम्र का कोई भी व्यक्ति ।

(पूरे दिन में केवल एक बार मात्र एक गोली)

वेल डी-टॉक्स

दुनिया की सारी सुविधाओं का आनन्द लेने और समस्त सुखों का उपभोग करने की प्राथमिक योग्यता है— स्वस्थ शरीर।

हमारे सारे कार्य सही तरीके से सम्पन्न होते रहें, इसके लिए आवश्यक है कि हमारा शरीर सही तरीके से काम करता रहे। हमारा शरीर तभी सही तरीके से काम करेगा जब हमारा पेट सही तरीके से काम करेगा क्योंकि पेट हमारे शरीर का केन्द्र बिन्दु है लेकिन अफसोस की बात है कि हम अपने पेट के साथ बहुत अन्याय करते हैं।



आज प्रदूषित पानी, प्रदूषित भोजन और कई तरह की दवाईयां हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गयी हैं। हमारा शरीर न जाने कितने तरह के विषैले रसायनों से लड़ता रहता है। यही नहीं जिह्वा के वशीभूत होकर हम भी तेल, मसाले, जंक फूड और बहुत तरह के अनाप-शनाप चीजें पेट में डालते रहते हैं। जब कभी हम बाहर निकलते हैं तो सांस लेने के दौरान धूल व धुंआ शरीर के अन्दर प्रवेश करता है। वाहन चलाते समय हम न सिर्फ धुंध की मोटी परत देख सकते हैं बल्कि उसका स्वाद भी ले सकते हैं।

कहावत है कि पेट का रास्ता साफ रहेगा तो जीवन का रास्ता साफ रहेगा।

अपने बाह्य शरीर को साफ रखने के लिए हम बहुत सा कदम उठाते हैं— जैसे— नहाना, धोना आदि। यही नहीं बाह्य सफाई और सुन्दरता के ऊपर हजारों रुपये भी खर्च करते रहते हैं। जबकि सत्य यह है कि प्राकृतिक सुन्दरता को कृत्रिम प्रसाधनों की जरूरत नहीं होती। आंतरिक सफाई हमारे सुन्दरता में निखार लाती है और हमें रोगमुक्त भी रखती है। हमारे अधिकांश रोगों का कारण उदर विकार है। इसके अतिरिक्त वाहनों का धुंआ, धूम्रपान, मदिरापान और बहुत तरीकों से ढेर सारा जहर रोजाना हमारे शरीर के अन्दर जाता रहता है। ये बाहरी शत्रु हमारे शरीर के अन्दर जाकर कोशिकाओं और एन्जाइम्स को क्षति पहुंचाते हैं, इस तरह से बहुत सारी अनचाही और जहरीली चीजें हमारे शरीर में जाती रहती हैं लेकिन हमारा शरीर सफलतापूर्वक इन्हें बाहर नहीं निकाल पाता है।

वस्तुतः हमें लगता है कि शरीर की आन्तरिक सफाई बड़ी कठिन है जबकि यह बहुत ही आसान है। इसे आसान बनाया है मोदीकेयर के **वेल डी-टॉक्स** ने।

वेल डी-टॉक्स में 8 तरह की जड़ी-बूटियाँ हैं जो शरीर के प्राकृतिक विषहरण प्रक्रिया में मदद करती हैं। ये लीवर और किडनी को परिष्कृत करते हुए सुचारु तरीके से पाचन में सहायता प्रदान करती है। त्वचा को स्वस्थ बनाती है।

घटक तत्व	लाभ
1. त्रिफला (आंवला, हर्रे, बहेड़ा)	कच्ची डकार, कब्ज से मुक्ति, लीवर व आंतों की सफाई में असरकारक, शरीर को विषमुक्त करने में लाभकारी तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है।
2. अजाडिराक्ता इण्डिका (नीम)	नीम में एंटी फंगल, एंटी बैक्टीरियल और एंटी वायरल गुण होता है। यह रक्त शोधन में सहायक तथा स्वस्थ त्वचा बनाये रखने में असरकारी है।
3. कालमेघ	लीवर को स्वस्थ रखता है व पाचन को बढ़ाता है।
4. रोहिताका	विषैले तत्वों से यकृत को बचाता है। पित्त स्त्राव को बढ़ाने और पाचन प्रणाली में सुधार लाने में मदद करता है।
5. कुटकी	प्रतिरोधी तन्त्र के लिए लाभकारी, सक्रिय एन्टी आक्सीडेंट, चर्म रोग में लाभदायक
6. बावची	त्वचा संबंधी विभिन्न रोग जैसे- वेटिलिगो, सोरायसिस, एक्जिमा, उकवत आदि को दूर करने में सहायक
7. भृंगराज	यकृत कार्य एवं पाचन क्रिया में सुधार, बालों से संबंधित सभी समस्याओं में असरकारी
8. वरुण	महिलाओं के यूरिनल संक्रमण (यूटीआई) में असरकारक है। गुर्दे से विष को हटाने में सहायक है।

डी-टॉक्स उपयोग के 10 कारण:-

1. शरीर से विष का उत्सर्जन
2. रक्त शोधन
3. स्वस्थ पाचन तंत्र
4. निष्क्रिय यकृत को सक्रिय बनाता है।

5. पाचन में सहायक
6. चर्म रोग जैसे— एक्जिमा, उकवत, सोराएसिस, विटिलिगो (सफेद दाग) में असरकारक
7. कील—मुंहासों और त्वचा सम्बन्धी परेशानियों का प्राकृतिक इलाज
8. त्वचा को स्वस्थ एवं चमकदार रखता है।
9. स्वस्थ बालों के लिए लाभदायक
10. यूरिन संक्रमण में लाभकारी

इस्तेमाल हेतु सुझाव :—

12 वर्ष की उम्र से अधिक कोई भी, भोजन से पहले दिन में दो बार।

8—12 वर्ष के बच्चे, भोजन से पहले आधी—आधी गोली दिन में दो बार।

गर्भवती और प्रसूति महिलाओं, विशिष्ट चिकित्सा स्थिति वाले उपभोक्ता पहले अपने चिकित्सक से परामर्श लें।

सम्भावित उपयोगकर्ता:—

ऐसा कोई भी व्यक्ति:

- जो शरीर से विषैले तत्वों को दूर करना चाहता हो।
- जिन्हें खाने के बाद शौच जाने की जरूरत पड़ती हो।
- पेट साफ न होता हो।
- जिनमें मूत्र संक्रमण की समस्या हो।
- जिन्हें कच्ची डकार आती हो।
- जिनका गला जलता हो।
- जो स्वस्थ एवं तन्दरुस्त रहना चाहता हो।
- जो धूम्रपान करता हो और अल्कोहल का सेवन करता हो।
- जो अस्वास्थ्यकर भोजन का सेवन करता हो।
- जो वजन को लेकर सजग हो।
- जो स्वस्थ एवं दमकती त्वचा चाहता हो।

वेल कार्डियोएक्टिव

दिल मानव शरीर की जान है। इसकी गतिशीलता से जीवन शुरू होता है और बन्द होते ही जीवन का अन्त। हमारा दिल लगातार काम करता रहता है ताकि हमारा जीवन चलता रहे। दिल अपने स्पंदन से जीवन ही नहीं देता वरन् शरीर के सभी अंगों में रक्त परिसंचरण द्वारा ऑक्सीजन पहुंचाने का भी काम करता है। हमारा दिल 1 मिनट में 60–80 बार धड़कता है अर्थात् एक दिन में लगभग 1 लाख बार।



हमारा दिल तो हमारे लिए निरंतर धड़कता रहता है परन्तु हम इसके बारे में कभी नहीं सोचते। यही नहीं अपने अनियमित दिनचर्या, दूषित भोजन और प्रदूषित वातावरण से हम इसके काम में बाधा भी पहुंचाते रहते हैं। एक पल के लिए ठहरिये और स्वयं से पूछिये—

- क्या हम भावनात्मक तनाव में नहीं रहते ?
- क्या हम सक्रिय न सही निष्क्रिय धूम्रपान नहीं करते ?
- क्या हम नित्य प्रति व्यायाम करते हैं ?
- क्या हमारे भोजन में तली-भुनी चीजों की अधिकता नहीं रहती ?

जरा सोचिये! इतनी ज्यादाती के कारण अगर इसने धड़कने से इन्कार कर दिया तो.... तो क्या होगा?

WHOकी रिपोर्ट बताती है कि—

- भारत में हर साल 19 प्रतिशत लोगों की मौत दिल की बीमारी से होती है।
- 33 प्रतिशत पुरुष और 30 प्रतिशत महिलायें उच्च रक्तचाप से ग्रस्त हैं।
- हर चार महिला-पुरुष में से एक का कोलेस्ट्रॉल का स्तर ऊँचा है।

“दिल है छोटा सा, छोटी सी आशा”: अपनी दिनचर्या में सुधार कर और पूरक आहार लेकर हम अपने दिल के काम को आसान बना सकते हैं। हमारी इसी जरूरत को ध्यान में रखकर मोदीकेयर लाया—वेल कार्डियो एक्टिव।

वेल कार्डियोएक्टिव में ऐसी जड़ी-बूटियां मौजूद हैं जो हृदय स्पंदन, कोलेस्ट्रॉल और लिपिड के सामान्य स्तर के प्रबन्धन, सामान्य रक्तचाप और स्वस्थ रक्त परिवहन में मदद करती हैं। यह हृदय की पेशियों को मजबूत बनाने में मदद करता है और तनाव एवं चिन्ता से मुक्त रहने में सहायता करता है।

विशेषताएं	लाभ
अर्जुन	यह दिल के लिए अमृत है। इसमें प्राकृतिक CoQ10 होने के कारण यह हृदय की मांसपेशियों को मजबूती प्रदान करता है और स्पंदन की निरंतरता को बनाये रखता है।
गुग्गुल्स	कोलेस्ट्रॉल और वसा के स्तर को सामान्य रखने में मदद करता है और मोटापे को नियंत्रित रखता है।
अश्वगंधा	यह एक प्रभावकारी समायोजक है जो रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता व प्रदूषण से दिल की रक्षा करता है।
अनार	एक प्रभावशाली एन्टीऑक्सीडेंट जो विटामिनों (Vitamin A,C,E and Folic Acid) का भी अच्छा स्रोत है। दिल के रोग के प्रभाव को कम करने में सहायक है।
गोटूकोला	रक्त संचरण में सहायक है। मानसिक क्रियाशीलता को सुधारने में सहायक है।
शंखभस्म	प्राकृतिक रूप से कैल्शियम, मैग्निशियम और आयरन से भरपूर हृदय पेशी को मजबूत बनाता है।

संभावित उपयोगकर्ता:-

- ऐसा कोई भी व्यक्ति जो स्वस्थ हृदय चाहता हो।
- जो तनावमुक्त जिन्दगी जीना चाहता हो।
- जो भावनात्मक तनाव का शिकार हो।
- जो संतृप्त वसा वाले अस्वास्थ्यकर भोजन का सेवन करता हो।

इस्तेमाल कैसे करें?:-

12 वर्ष या इससे अधिक उम्र के लोगों के लिए **भोजन से पहले** रोजाना एक-एक गोली सुबह-शाम।

वेल कैल्शियम कॉम्प्लेक्स

मानव शरीर जिस ढांचे पर खड़ा है वह हड्डियों से बना होता है। पूरे शरीर का भार, चलना, फिरना, घूमना सभी कुछ इसी ढांचे द्वारा संभव होता है। एक बार सोचिये! यदि यह ढांचा कमजोर हो जाये तो कितनी भयावह स्थिति हो सकती है। जन्म से मृत्यु तक हमारे शरीर में हड्डियों के बनने (आस्टियोब्लास्टिंग) एवं हड्डियों के टूटने (आस्टियोक्लास्टिंग) की प्रक्रिया चलती रहती है। जीवन केशुरुआती दौर में स्वाभाविक रूप से हड्डियों के बनने की प्रक्रिया टूटने की अपेक्षा ज्यादा होती है, जिससे हमारे शरीर का विकास होता है लेकिन बढ़ती उम्र, प्रदूषित भोजन, मद्यपान, धूम्रपान आदि कारणों से शरीर के अन्दर हड्डियों के बनने की प्रक्रिया कम हो जाती है जिससे हड्डियां कमजोर होने लगती हैं।



हड्डियों के निर्माण का मुख्य अवयव कैल्शियम है। हमारे शरीर में जो कैल्शियम होता है उसकी 99 प्रतिशत मात्रा दांतों व हड्डियों में तथा मात्र 1 प्रतिशत रक्त में होती है। रक्त में कैल्शियम की 1 प्रतिशत मात्रा हमारे शरीर में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। यह 1 प्रतिशत मात्रा मस्तिष्क और स्नायुओं के सुचारु रूप से कार्य करने में और चोट लगने पर रक्त के जमने में सहायता करती है। कैल्शियम हमारे हृदय की मांस-पेशियों के खिचाव को संतुलित करता है। जब हमारे रक्त में कैल्शियम की कमी होने लगती है तो कैल्शियम हड्डियों से निकलकर रक्त में जाने लगता है जिससे हड्डियां कमजोर होने लगती हैं जिसे आस्टियोपेनिया की स्थिति कहते हैं। इसका लक्षण— पैरों, कमर, पीठ या कंधे में दर्द का होना है।

ऐसे में हमें बाहर से कैल्शियम लेने की जरूरत पड़ती है। यदि हम ऐसा नहीं करते हैं तो हमारा शरीर लगातार हड्डियों से कैल्शियम निकालकर रक्त को देता रहता है। हड्डियों से लगातार कैल्शियम निकलते रहने से हड्डियां अन्दर से खोखली और भुरभुरी हो जाती हैं। इस अवस्था को आस्टियोपोरोसिस कहते हैं। ऐसे में अक्सर हम कैल्शियम सप्लीमेन्ट न लेकर दर्दनिवारक दवायें लेने लगते हैं जो समस्या को और बढ़ा देती है। अत्यधिक कैल्शियम निकल जाने से हड्डियों के अन्दर के छिद्र बड़े-बड़े हो

जाते हैं और उनके टूटने का खतरा बढ़ जाता है। इस स्थिति से बचने के लिए हमें कैल्शियम युक्त भोजन एवं कैल्शियम सप्लीमेन्ट लेना चाहिए।

शरीर में कैल्शियम की कमी होने के मुख्य कारण:—

1. कैल्शियम युक्त भोजन की कमी
2. खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता में कमी
3. भौगोलिक कारणों से हमारे देश के लोगों के त्वचा का रंग गाढ़ा है। इस कारण हमारा शरीर सूर्य की किरणों से विटामिन-डी को नहीं बना पाता जो कैल्शियम अवशोषण के लिए आवश्यक है। इसलिए कैल्शियम लेने के बावजूद भी शरीर में कैल्शियम की कमी बनी रहती है।
4. हमारा देश डायबिटीज की राजधानी है। डाक्टरों के सलाह पर बहुत सारे लोग भोजन में परहेज करते हैं। इस कारण भी शरीर को कैल्शियम युक्त भोजन कम मिलता है।
5. हमारे देश में चाय पीना-पिलाना सामाजिक परम्परा बन गयी है। चाय में कैफीन नामक तत्व होता है जो कैल्शियम अवशोषण की प्रक्रिया को कम करता है।

आयु के अनुसार कैल्शियम की आवश्यकता :-

0-6 months	200 mg/day
7-12 months	260 mg/day
1-3 years	700 mg/day
4-8 years	1000 mg/day
9-18 years	1300 mg/day
19-50 years	1000 mg/day
51-70 years (male)	1000 mg/day
51-70 years female)	1200 mg/day

स्रोत : Institute of Medicine

इन सब चुनौतियों से लड़ने में हमारी मदद करता है वेल कैल्शियम कम्प्लैक्स। इसमें है— कैल्शियम साइट्रेट मैलिएट जो जल में अत्यधिक घुलनशील है जिससे यह

हमारे शरीर में आसानी से अवशोषित हो जाता है। इस प्रक्रिया को विटामिन डी-3 और सुग्राह्य बनाता है। हमारे रक्त धमनियों में होने वाले कैल्शियम के जमाव से हृदय रोग की संभावनाएं बढ़ जाती हैं मगर कैल्शियम कम्प्लैक्स में पाये जाना वाला विटामिन के रक्त में कैल्शियम के जमाव को गलाता है साथ ही रक्त प्रवाह को सुचारु बनाता है। इस तरह से वेल कैल्शियम कम्प्लैक्स कैल्शियम के कमी को तो दूर करता ही है साथ ही हृदय रोगों से बचाव में भी मदद करता है।

विशेषताएं:-

घटक तत्व	लाभ
कैल्शियम साइट्रेट मैलिएट	एक अत्यन्त प्रभावकारी कैल्शियम का प्रकार जो हड्डियों के विकास एवं घनत्व को बनाये रखता है।
विटामिन डी-3	कैल्शियम के अवशोषण में सहायक
विटामिन के	रक्त परिसंचरण में कैल्शियम के बहाव में सहायक, धमनियों में कैल्शियम जमाव को रोकता है और स्वस्थ हृदय के लिए लाभकारी
जिंक एमीनो एसिड चिलेट	यह प्रतिरोधकता एवं मेटाबोलिक क्रियाओं को प्रभावित करता है।
मैग्निशियम आक्साइड	अस्थि संरचना में सहायक एवं जैव रसायनिक क्रिया को संतुलित रखता है।

ध्यानार्थ –USFDA ने खाद्य और पूरक आहारों के लिए कैल्शियम, विटामिन डी और आस्ट्रियोपोरोसिस संबंधी स्वास्थ्य के दावे को सही ठहराया। (21 सीएफआर 10172 (एफ)) संतुलित आहार के रूप में जिन्दगी भर पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम और विटामिन डी से आस्ट्रियोपोरोसिस का खतरा घट सकता है।

संभावित उपयोगकर्ता:-

बच्चे, औरतें, किशोर, बुजुर्ग, पुरुष और महिलायें, जिन्हें कैल्शियम, मैग्निशियम और विटामिन डी की अधिक आवश्यकता है।

वेल ज्वाइंट इज

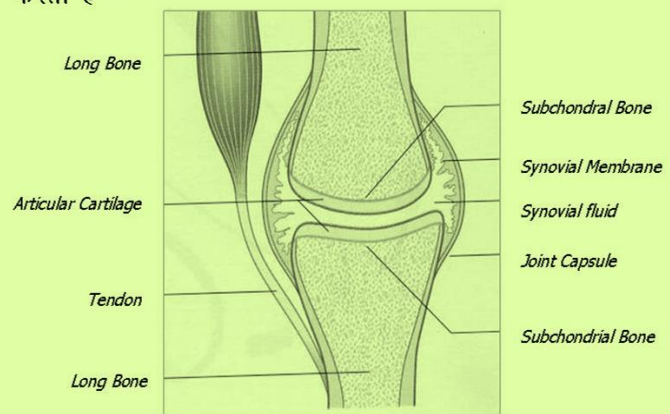
हमारा शरीर सुचारु रूप से काम करता रहे इसके लिए आवश्यक है कि हमारे शरीर के सभी जोड़ अच्छी तरह काम करते रहें। शरीर के जोड़ ऐसे स्थल होते हैं जहां दो या दो अधिक हड्डियां आपस में मिलती हैं। इन हड्डियों के बीच में उपास्थि (कार्टिलेज) गद्दे की तरह होती है जो हड्डियों को आपस में घिसने और रगड़ने से बचाती है। जोड़ों के बीच एक प्रकार का द्रव भी होता है। जो जोड़ों के परिचालन को सहज बनाता है। अनियंत्रित जीवन-शैली से, अत्यधिक दवाईयों के सेवन से या उम्र के बढ़ने से यह द्रव सूखने लगता है जिससे जोड़ों का परिचालन बाधित होता है और कार्टिलेज पर दबाव बढ़ जाता है। यहीं से गठिया रोग की शुरुआत होती है। कार्टिलेज पर लगातार दबाव पड़ते रहने से यह घिस जाता है और हड्डियां आपस में रगड़ने लगती हैं। यह स्थिति काफी कष्टकारी होती है। जानकारी के अभाव में हम दर्दनिवारक दवाईयां लेते हैं जो इस स्थिति से बचाने में हमारी कोई मदद नहीं करती।



इस स्थिति में हमें ऐसे आहार या पूरक आहार की आवश्यकता पड़ती है जो जोड़ों के अन्दर के द्रव को बनाने में शरीर की मदद करें ताकि कार्टिलेज सुरक्षित रहे और हड्डियां आपस में रगड़ न खायें।

मोदीकेयर का वेल ज्वाइंट इज एक ऐसा ही पूरक आहार है जो जोड़ों के अन्दर के द्रव को बनाने में शरीर की मदद करता है यानि जोड़ों के ल्युब्रिकेशन की प्रक्रिया को बढ़ाता है जिससे कार्टिलेज पर दबाव नहीं पड़ता और जोड़ों का परिचालन आसान होता है।

यह दो हड्डियों का संयोजन है जो शरीर को आवागमन में यांत्रिक सहयोग प्रदान करता है -



विशेषता:—

घटक तत्व	लाभ
ग्लूकोजामिन	कार्टिलेज के पोषण का काम करता है। रोजाना 1500 एमजी ग्लूकोजामिन उपलब्ध कराता है जो द्रव की मात्रा को बनाए रखता है।
बोस्वेलिया	इससे दर्द में जलन नहीं होती।
करक्यूमिन	यह शरीर में मुक्त रेडिकल से कोशिकाओं की रक्षा करता है एवं सूजन को कम करता है।
मिथाइल सर्पोनाइल मिथेन	शरीर की सहायक संरचना में मदद करता है।
सेलेनियम	सूक्ष्म खनिज जो जोड़ों को सहायता प्रदान करता है।
बायोपेरिन	यह शरीर में पोषक तत्वों के जैव उपलब्धता को बढ़ाने में मदद करता है।

संभावित उपभोगकर्ता:—

1. जीवन भर स्वस्थ जोड़ की अपेक्षा करने वाला कोई भी व्यक्ति
2. जोड़ों की समस्याओं वाले लोग
3. एथलीट एवं खिलाड़ी

सावधानी:—

- 12 वर्ष से कम उम्र वालों के लिए नहीं।
- हाई ब्लड शुगर के मरीजों के लिए नहीं।

मात्रा :—

2–2 टैबलेट सुबह–शाम भोजन के बाद।

वेल स्पारुलाइना (Spirulina)

सफल जीवन का मूल मंत्र है प्रकृति के साथ बेहतर तालमेल हम जितना ज्यादा प्रकृति के नजदीक रहेंगे और जितना ज्यादा अधिक प्राकृतिक चीजों का सेवन करेंगे उतना ही ज्यादा स्वस्थ, सुंदरता और सफलता के नजदीक रहेंगे।

प्रकृति की गोंद में अनगिनत और असीमित चीजें मौजूद हैं।

खोज निरंतर जारी है.....



स्पाइरुलाइना :

एक अद्भुत उत्पाद जो संपूर्ण है और जो प्रत्येक व्यक्ति के लिए कार्य करता है। यू. एन. ओ. ने इसे संपूर्ण आहार का दर्जा दिया हुआ है। यू. एन. ओ. की रिपोर्ट के अनुसार यह एक ऐसा आहार है जो दुनियां से कुपोषण को समाप्त कर सकता है।

स्पाइरुलाइना क्या है :

यह एक जलीय वनस्पति है और इसमें किसी भी अन्य भोजन से अधिक पोषक तत्व पाए जाते हैं। इस हरित शैवाल में सभी आवश्यक प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, खनिज लवण आदि प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें अनाज जड़ी बूटियों यहां तक कि मांस से भी ज्यादा पोषक तत्व पाए जाते हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने 1974 में ही इसे भविष्य का आहार घोषित कर दिया था। वैज्ञानिक शोधों में पाया गया कि यह अत्यंत सुरक्षित एवं कारगर पोषक आहार है। इसलिए इसे सुपर फूड की संज्ञा दी गई है।

*वेल स्पारुलाइना में विशिष्ट एन्टाऑक्सीडेंट्स एवं पादपीय पोषक तत्वों जैसे—
कैरोटिनॉयडान, फाइकोस्यानीन, क्लोरोफिल और सुपर आक्टसाइड डिसम्यूरेस (SOD)
प्रचुर मात्रा में होता है*

कैरोटिनॉयड (Carotenoids) :

स्पिरुलिना में उपस्थित जियक्सानथिन एण्ड बीटाकरोटीन प्रतिरक्षा तन्त्र को मजबूत बनाते हैं। साथ ही ये आँखों के स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है।

फाइकोस्यानीन (Phycocyanin) :

एक नील रजक है जो कि एक एण्टीऑक्सीडेंट एवं एण्टी इनफ्लामेटरी है। यह किडनी, यकृत, तंत्रिका, कोशिकाओं इत्यादि को आक्सीकारकी नुकसान से बचाता है और साथ में ये स्फिरुलिना में आयरन एवं खनिजों की जैव उपलब्धता बनाए रखता है।

क्लोरोफिल (Chlorophyll) :

यह भी एण्टीऑक्सीडेंट एवं विषनाशक का काम करता है तथा लाल रक्त कोशिका बनाने में भी सहायक होता है।

Superoxide Dismutase (SOD):

यह भी एण्टी आक्सीडेंट है जो युक्त मूलकों को नष्ट कर उत्तकों को होने वाले नुकसान से बचाता है।

स्फारुलाइना के स्वास्थ्य लाभ :

प्रतिरक्षा को मजबूत करता है, पोषकता की कमी को पूरा करता है, संक्रमण को रोकता है। बाल एवं त्वचा को स्वस्थ रखता है, कोलोस्ट्राल को नियंत्रित करता है, यकृत को स्वस्थ रखता है। ऊर्जा एवं सामर्थ को बढ़ाता है, आहार नाल को स्वस्थ रखता है।

वेल स्फिरुलिना के त्रिस्तरीयक कार्य :

1. शरीर के प्राकृतिक सफाई को बढ़ाता है।
2. आहार में पोषकों की कमी को पूरा करके चपापचय को बढ़ाता है।
3. शरीर के प्राकृतिक प्रतिरक्षा तन्त्र को मजबूत करता है।

बच्चों के लिए :

उत्तकों में वृद्धि, रोग प्रतिरोधक क्षमता में सुधार, संचेतना और चंचलता में वृद्धि, कुपोषित बच्चों के लिए वरदान।

महिलाओं के लिए :

एनीमिया से लड़ने के लिए रक्त बनाने में सहायक, मासिक धर्म से जुड़ी समस्याओं में कारगर, स्तनपान कराने वाली माताओं में दूध बनने की प्रक्रिया में वृद्धि करता है। गर्भधारण की प्रक्रिया में मदद करता है। गर्भस्थ शिशु की जरूरतों को पूरा करता है।

बुजुर्गों के लिए :

शारीरिक जकड़न को रोकता है। चुस्ती फुर्ती बनाए रखने में मदद करता है। रोगों से लड़ने की शक्ति देता है और उर्जा के स्तर को बनाए रखता है। दवाओं के दुष्प्रभाव को कम करता है। शारीरिक और मानसिक शिथिलता को रोकता है।

इसके अतिरिक्त स्पाइरुनाइला बालों के लिए, त्वचा के लिए, मधुमेह और हृदय रोगियों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है।

Facts :

पालक से 5000% अधिक लोहा,
गाजर से 1000% बीटा करोटीन,
दूध से 500% अधिक कैल्सियम,
सोया से 300% अधिक प्रोटीन;

स्पारुलाइना किसे लेना चाहिए :

- ऐसे बच्चे जो सन्तुलित भोजन नहीं ले पाते हैं।
- किशोर जो तीव्र शारीरिक वृद्धि कर रहे हैं।
- ऐसी महिलाएँ जिन्हें रोजमर्रा की जिन्दगी के लिए पोषक तत्वों की आवश्यकता हो।
- आधुनिक पेशेवर जिन्हें सन्तुलित आहार के लिए पर्याप्त समय नहीं है।
- गर्भवती एवं दूध पिलाने वाली माताओं को जिन्हें अतिरिक्त पोषक तत्वों की आवश्यकता हो।
- बुजुर्गों को जिन्हें स्वास्थ्य की देखभाल अच्छे से करनी है।
- खिलाड़ियों एवं एथलीटों को जिन्हें अपने ऊर्जा स्तर को ऊँचा रखने के लिए अतिरिक्त पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है।
- ऐसे लोगों को जिन्हें रोग मुक्ति उपरान्त तुरन्त रिकवरी की आवश्यकता है।
- शाकाहारी लोग जिन्हें कुछ अतिरिक्त पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है।
- और वह सभी लोग जो स्वस्थ और सुंदर रहना चाहते हैं।

संगठन : प्रत्येक कैप्सूल में स्पाइरुलाइना 500mg

मात्रा : एक या दो कैप्सूल दोनो समय भोजन के उपरान्त या जैसा चिकित्सक निर्देशित किया हैं।

निर्देशन : 2 साल से अधिक उम्र के बच्चों के लिए। ऐसे बच्चे जो कैप्सूल नहीं ग्रहण कर सकते, कैप्सूल की खोल निकालकर पाउडर को छांछ या जलजीरा के साथ ले सकते हैं।

भोजन सुरक्षा एवं गुणवत्ता निर्देश :

आग्रेनिक स्पाइरुलाइना जिस संयंत्र में बनता है उसको निम्न प्रमाण पत्र प्राप्त है।



स्पाइरुलाइना आर्गेनिक स्पाइरुलाइना पाउडर जो कि प्राकृतिक स्रोतों से निर्मित और इसके निर्माण में कृत्रिम रसायनों, कीटनाशकों इत्यादि के प्रयोग से बचा गया है।

यहाँ दी गयी जानकारी स्वयं के इलाज के लिए चिकित्सकीय सलाह नहीं है और यह केवल शैक्षणिक उद्देश्य के लिए है। विशेष चिकित्सीय अवस्थाओं वाले उपभोक्ताओं को अपने डॉक्टर से सलाह करनी चाहिए।

वेल नोनी सान्द्र जूस

प्राकृतिक रूप से वनस्पति पौषकों (पोधों पर आधारित पौषक) द्वारा किसी के स्वास्थ्य की देखभाल करना, जीवन की एक शैली बन गया है। यह उन सभी के लिए एक आदर्श चयन है जो आधुनिक जीवन-शैली की चुनौतियों के साथ सक्रिय और संतुलित जीवन-शैली बनाए रखना चाहते हैं। अनुसंधान के प्रगतिशील निकाय और अध्ययन से यह स्पष्ट है कि पर्याप्त संख्या में वनस्पति पौषक प्रमाणित स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं।

वेल सान्द्र नोनी जूस कोकम की गुणवत्ता के साथ मिलकर बना एक शक्तिशाली स्वास्थ्य वर्धक आहार है जोकि प्राकृतिक रूप से बना एवं उत्तम स्वास्थ्य, अधिकतम ऊर्जा, जीवन-शक्ति, शारीरिक संतुलन और भला-चंगा रहने के लिए है।



कोशिकाओं एवं उत्तकों को पुनः जीवित करना :

यह कोशिकाकाओं के स्तर पर अधिक मात्रा में पौषक तत्वों को अवशोषित करने में सहायता करता है जिसके फलस्वरूप विभिन्न शारीरिक क्रियाएँ भली-भांति कार्य करती है।

प्रतिरोधात्मक शक्तिवर्धक :

प्रतिरोधात्मक प्रणाली की प्राकृतिक एवं शक्तिवर्धक क्षमता को संक्रमण और रोगों से लड़ने योग्य बनाने में सहायता करता है।

उत्तम मानसिक और शारीरिक शक्ति :

इनकी ऑक्सीडेंट गुणवत्ता कोशिकाओं को सुरक्षित और स्वस्थ रखती है।

सम्पूर्ण ऊर्जा में वृद्धि :

स्मरण शक्ति, एकाग्रता सीमा और भौतिक सहनशीलता स्तर बनाने में सहायक है। नोनी (मोरिन्डा सिट्रीफोलिया) का प्रयोग 2000 से अधिक वर्षों से सम्पूर्ण शारीरिक प्रणाली को भोजन और विभिन्न स्वास्थ्य अवस्थाओं के लिए दवा के रूप में सहारा देने हेतु किया जाता रहा है। आयुर्वेद के पौराणिक लेखों में नोनी का उल्लेख है और इसका प्रयोग बीमारियों और रोगों के निदान के लिए पारम्परिक रूप से किया जाता है। यह विटामिन

ए, विटामिन बी और विटामिन सी एवं खनिजों जैसे कि कैल्सियम, पौटेशियम, आयरन (लोहा), फास्फोरस से भरपूर है। नोनी शरीर में जीरोनाइन स्तर बनाने के लिए सर्वाधिक जाना जाता है। जीरोनाइन की आवश्यकता शरीर की कई मुख्य प्रणालियों के महत्वपूर्ण कार्यों को करने के लिए होती है। शरीर में जीरोनाइन की कमी आयु, तनाव, बीमारी और आहार की कमी के कारण होती है।

नोनी किस प्रकार कार्य करता है? :

- नोनी में शक्तिशाली फाईटोन्यूट्रियंट तत्व, प्रोजीरोनाइन होते हैं।
- प्रोजीरोनाइन मानव शरीर में प्रोजीरोनाइन एंजाइम की सहायता से जीरोनाइन में परिवर्तित हो जाता है।
- जीरोनाइन शरीर की कोशिकाओं द्वारा अवशोषित किया जाता है जिससे अनगिनत स्वास्थ्य लाभ होते हैं।

नोनी के फायदे (मोरिडा सिट्रीफोलिया) :

- नोनी का नियमित प्रयोग स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालने में सहायक है।
- स्वास्थ्य को सुधारना, ऊर्जा और क्षमता को बढ़ाना, कोशिकाओं को पुनः जीवित करना और प्रतिरक्षा को बढ़ाना।
- संक्रमण से लड़ना, एलर्जी को कम करना, तनाव और थकावट से राहत देना और स्मरण शक्ति और एकाग्रता को सुधारना।
- पाचन में सहायक है, स्वस्थ शरीर में सहायता, शरीर को डीटॉक्सीफाई करता है और स्वस्थ त्वचा और बालों का रखरखाव करता है।
- जोड़ों की सूजन और दर्द से राहत दिलाता है, स्वस्थ दिल एवं कोलेस्ट्रॉल स्तर में सहायता करता है, मधुमेह के खतरे को कम करता है और ट्यूमरों/ कैंसर के खतरे को कम करता है।

नोनी प्रकृतिक अपना पोषण – नोनी 150 + पोषक तत्वों के लिए जाना जाता है।

नोनी : मुख्य घटक और उनके लाभ :

प्रोजीरोनाइन और प्रोजीरोनेज	प्रोटी का इष्टतम कार्य को प्रोत्साहित करना और कोशिकाओं के संपोषण और हारमोन संतुलन को बढ़ावा देना है।
स्कोपोलेटिन	शोधरोधक, हिस्टामाइन रोधक, जीवाणु प्रतिरोधी और फंगल प्रतिरोधी गुणों वाला, रक्तचाप को कम करता है और सीरोटोनिन नींद, भूख और तापमान को नियमित करने के लिए बांधता है।
डिमनाकांथल	कैंसर से पहले की कोशिकाओं की वृद्धि को रोकता है।
ट्रपीन	कोशिकाओं की कायाकल्प में सहायता, अतः पोषक टोक्सिन एक्सचेंज को बढ़ाता है।
फाईटोन्यूट्रियंट	फ्री रेडिकल्स के विरुद्ध शक्तिशाली एण्टी ऑक्सीडेंट्स उपलब्ध करवाता है।
घुलनशील और अघुलनशील फाइबरों से भरपूर	घुलनशील फाइबर खून को साफ करने में, कोलेस्ट्रॉल कम करना, वसा को बांधता है और रक्त शर्करा को संतुलित करता है, अघुलनशील फाइबर (बल्क) पेट के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है।
एमीनों एसिड से भरपूर	एमीनों प्रोटीन के निर्माण के घटक हैं, शरीर के कई कार्यों के लिए महत्वपूर्ण है। “आवश्यक” एमीनों एसिड वे हैं जिन्हें हमारा शरीर नहीं बना सकता और अतएव हमें इन्हें बाहर से लेना चाहिए।
आवश्यक वसायुक्त अम्लों से भरपूर	वसायुक्त अम्ल वसा और तेलों के निर्माण घटक हैं। नोनी में आवश्यक वसायुक्त अम्ल स्वस्थ त्वचा, नाड़ी कोशिकाओं, हृदय तंतुओं और रक्त वाहिकाओं और मनोदशा संतुलन को बनाए रखने में सहायक है। ये कोशिकाओं की झिल्लियों को ठीक से कुशलतापूर्वक काम, पोषक-टॉक्सिन एक्सचेंज को सुधारते हैं।

सन्दर्भ : ए.के. ओल्सन/ डा. रैल्फ हैनिक, अण्डरस्टेडिंग दी मिरेकल : नोनी के विज्ञान का परिचय, यह जानकारी डा. रैल्फ हैनिक, डा. स्कॉट गिर्सन, डा. हीरा जुमी किम, डा. मियान-चिंग वांग, डा. नील सालोमन, डा. मोना हैरिसन, डा. विलियम मैकफिलेमी, डा. गेरी ट्रान और अन्यो के संग्रहित लेक्चरों और निष्कर्षों के सारांश का प्रतिनिधित्व करती है।

कोकम (ग्रासिनिआ इंडिका) के लाभ :

- कोकम एंटीऑक्सीडेंट्स का उत्तम स्रोत है और निम्न में सहायता कर सकता है:
- एसिडिटी से राहत
- पेट फूलने को कम करना
- कई रोगों के प्रभाव को निष्क्रिय करना

- मलत्याग को नियमित करना
- पाचन क्रिया सुधारना
- रक्त का शुद्धीकरण करना
- उत्तम कोलेस्ट्रॉल में सहायक
- वेट मैनेजमेंट में सहायक

सम्भावित उपयोगकर्ता :

अच्छा स्वास्थ्य और तंदुरुस्त जीवन चाहने वालों के लिए

सुझाए गए उपयोग :

खाना खाने से 30 मिनट पहले खाली पेट पीएं। इसे जैसा है वैसे ही या पानी में मिलाकर या चिकित्सक के निर्देशानुसार लें।

पहले 3 दिन	5 मि.ली. दिन में दो बार
4थे – 6ठवें दिन	10 मि.ली. दिन में दो बार
7वें दिन के बाद	15–30 मि.ली. दिन में दो बार

- अच्छे परिणाम के लिए 6 से 12 महीनों तक दिन में दो बार लें।
- 6 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों को उपरोक्त बताई खुराक की आधी खुराक दें।
- दिनभर भरपूर मात्रा में पानी पीएं।
- प्रयोग से पहले अच्छी तरह हिलाएँ

सावधानी :

गर्भावस्था, स्तनपान करवाते समय और जुलाब आदि के दौरान नहीं लेना चाहिए।

यहाँ पर दी गयी जानकारी स्वयं के इलाज के लिए चिकित्सीय सलाह नहीं है और यह केवल शैक्षणिक उद्देश्य के लिए है। विशेष चिकित्सीय अवस्थाओं वाले उपभोक्ताओं को वैल नोनी जूस कंसनट्रेट लेने से पहले अपने डाक्टर से सलाह करनी चाहिए।

एक्टिव लाइफ राइस ब्रान ऑयल

राइस ब्रान ऑयल चावल के ऊपर लगी भूरे रंग की पतली तैलीय परत से निकाला जाता है। यह बहुत ही पोषक और खाने योग्य स्वास्थ्यवर्धक तेल है जो प्राकृतिक बायोएक्टिव पोषक तत्व जैसे ओराईजनोल, टोकोफेरोल्स, टोकोट्राइनोल्स के कारण अत्यन्त पोषक है और स्टीरोल्स के साथ इसमें सभी प्रकार के फैट्स संतुलित मात्रा में पाए जाते हैं। इसका स्मोक प्वाइन्ट हाई है तथा इसका इस्तेमाल भोजन पकाने और तलने के लिए किया जाता है।



वसा ऊर्जा का स्रोत होता है। यह वसा में घुलनशील विटामिन जैसे ए, डी, ई और के का वाहक है। ये सभी आवश्यक फैटी एसिड के स्रोत हैं। इनकी संरचना गुणों से युक्त होती है और ये भोजन को स्वादिष्टता भी प्रदान करते हैं।

अधिक ओराईजनोल की मात्रा – 12000 पी.पी.एम., ओराईजनोल कॉलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है। विटामिन ए व डी 2 युक्त, जीरो ट्रांस फैट हार्ड स्मोक प्वाइन्ट, 15 प्रतिशत कम तेल अवशोषण, खाने के प्राकृतिक स्वाद एवं सुगंध को बरकरार रखता है।

हमें एक्टिव लाइफ राइस ब्रान ऑयल का इस्तेमाल क्यों करना चाहिए :

ओराईजनोल से भरपूर :

ओराईजनोल एक प्राकृतिक स्वास्थ्यवर्धक एंटीऑक्सीडेंट है जो चावल के ऊपर लगी भूरे रंग की पतली तैलीय परत से निकाला जाता है। कई अध्ययन पत्रों में इस बात की पुष्टि की गई है कि ओराईजनोल बुरे कॉलेस्ट्रॉल को कम करता है। कुछ अन्तर्राष्ट्रीय शोध अध्ययनों में ओराईजनोल की 300किग्रा/प्रतिदिन खुशक को उचित माना गया है। केवल दो बड़े चम्मच (लगभग 25 ग्राम) एक्टिव लाइफ राइस ब्रान ऑयल लेने से 300 मिग्रा ओराईजनोल प्राप्त होता है जो कि निष्क्रिय जीवन शैली वाले वयस्क व्यक्तियों और लोगों के लिए सुझाए गए दैनिक तेल लेने की मात्रा है।

संतुलित वसा की मात्रा :

एक्टिव लाइफ राइस ब्रान ऑयल में संतुलित वसा की मात्रा (एस.एफ.ए.) (24%), एम.यू.एफ.ए. (42%), पी.यू.एफ.ए. (34%) है जो कि विश्व संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद (एन.आई.एन.) के द्वारा सुझाई गई मात्रा के करीब है।

न्यूट्रिशनलिस्ट आमतौर पर खाने के तेलों को बदलने की सलाह देते हैं क्योंकि परम्परागत खाने के तेल में सन्तुलित मात्रा में वसा उपलब्ध नहीं होता है एक्टिव लाइफ राइस ब्रान ऑयल में संतुलित मात्रा में वसा का मिश्रण है जिसके तेल को बार-बार बदलने की जरूरत नहीं पड़ती।

कम मात्रा में तेल का अवशोषण :

राइस ब्रान ऑयल में बने हुए भोजन में लगभग 15 प्रतिशत तेल का कम उपयोग होता है जो इसे और भी किफायती बनाता है। तेल की कम खपत के कारण इसमें कैलोरी भी कम होती है और खाना बेहतर, हल्का, स्वादिष्ट एवं जायकेदार बनता है।

हार्ड स्मोक प्वाइन्ट :

राइस ब्रान ऑयल को स्मोक प्वाइन्ट अधिक है जिसके कारण यह भोजन पकाने, तलने, भुनने एवं सलाद ड्रेसिंग के लिए बढ़िया है। स्मोक प्वाइन्ट तापमान की वह स्थिति है जिस पर तेल के संघनित होकर विषैला होने की सम्भावना अधिक रहती है। स्मोक प्वाइन्ट स्वाद और पोषक तत्वों में होने वाली कमी को भी दर्शाता है। इसलिए खाना पकाने एवं तलने के लिए तेल के चयन में हार्ड स्मोक प्वाइन्ट का ध्यान रखना भी महत्वपूर्ण है।

फिजिकली रिफाइन्ड :

एक्टिव लाइफ राइस ब्रान ऑयल किसी अरुचिकर रसायनों (केमिकल्स) का उपयोग किए बिना पेटेंटिड फिजिकल रिफाइनिंग पद्धति के माध्यम से परिष्कृत किया जाता है। इससे एण्टी आक्सीडेंट को संरक्षित रखने में मदद मिलती है। जिनका रसायनों का इस्तेमाल करने के कारण नष्ट होने की सम्भावना रहती है।

अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए राइस ब्रान ऑयल की विशेषताए :

हृदय के लिए स्वास्थ्यवर्धक ओराईजनोल : ओराईजनोल एच.डी.एल. (अच्छे) कालेस्ट्रॉल को बढ़ाता है और एल.डी.एल. (बुरे) कालेस्ट्रॉल और ट्रांजग्लिसराइजस को कम करता है। एच.डी.एल./एल.डी.एल. अनुपात में सुधार करता है।

प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट : रोगों से लड़ने में मदद करता है।

प्राकृतिक उम्र रोधी : इसमें स्क्वालीन होता है जो त्वचा की रंगत निखारने में मदद करता है और झुर्रियों के विलम्बीकरण में सहायक है।

फेरुलिक एसिड : हार्मोनल स्राव को प्रोत्साहित करने में मदद करता है और स्वास्थ्य को फिर से सक्रिय बनाने में मदद करता है।

टोकोफेरॉल (विटामिन – ई) : संतुलित तंत्रिका प्रणाली (नर्वस सिस्टम) को बनाए रखने में मदद करता है।

टोकोट्राइनॉल (विटामिन – ई) : यह कैंसर विरोधी गुणों के लिए माना जाता है।

स्रोत : राइस ब्रान ऑयल पर भारतीय पत्रिका (संयुक्त एफएओ/डब्ल्यूएचओ खाद्य मानक कार्यक्रम, वसा और तेल पर कोडेक्स समिति, 18वां सत्र यू.के. 3-7 फरवरी, 2003)।

फ्रूट ऑफ दि अर्थ ग्रीन टी

दुनिया में पानी के बाद दूसरा सबसे ज्यादा खपत किया जाने वाला पेय पदार्थ है—चाय। चाय पीना और पिलाना एक सामाजिक परम्परा बन गयी है। करोड़ों लोगों के दिन की शुरुआत ही चाय से होती है और पूरे दिन यह सिलसिला चलता रहता है। न चाहते हुए भी हमें दिन में कई बार चाय पीनी पड़ती है लेकिन एक सीमा के बाद यह न सिर्फ नुकसान करती है बल्कि जीवनशैली जनित बीमारियों जैसे— मोटापा, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और हृदय रोग जैसी घातक बीमारियों को बढ़ाने में मदद करती है।



गैस, बदहजमी, कब्ज और भूख न लगने जैसी समस्याओं से ग्रस्त होने के बाद भी हम चाय को अपने जीवन से नहीं निकाल पाते हैं।

अपनी आदत में एक छोटा सा बदलाव करके हम न सिर्फ बहुत सी बीमारियों से बच सकते हैं बल्कि अपने स्वास्थ्य को और बेहतर बना सकते हैं और यह बदलाव है—‘आम चाय’ की जगह खास चाय पीना और वह खास चाय है—‘ग्रीन टी’।

सभी तरह की चाय *कैमेलिया साइनेन्सिस* नामक एक ही पौधे से प्राप्त होते हैं। इन भिन्न प्रकार की चायों के प्रोसेसिंग की अलग-अलग विधियां इन्हें अलग तरह के गुण प्रदान करती हैं। ब्लैक टी तैयार करने के लिए ऑक्सीकरण प्रक्रिया अपनाई जाती है, जिसके परिणामस्वरूप चाय पत्ती के दाने कालापन लिये होते हैं और इनसे गोल्डेन ब्राउन रंग के कड़क स्वाद वाला पेय तैयार होता है जिसमें कैफीन और निकोटिन की मात्रा अधिक होती है जिसकी वजह से काली चाय हमारे लिए कुछ हद तक हानिकारक है। मगर ‘ग्रीन टी’ में आक्सीकरण नहीं या नाममात्र के लिए किया जाता है जिससे चाय की पत्ती का रंग हरा बना रहता है और हल्के रंग का चाय पेय तैयार होता है। ‘ग्रीन चाय’ का स्वाद सौम्य होने के साथ दिलो-दिमाग को सुकून देता है।

तमाम वैज्ञानिक निष्कर्ष यह बताते हैं कि एन्टीआक्सीडेंट की प्रचुर मात्रा हमें न सिर्फ तरोताजा, अपितु स्वस्थ भी रखती है। इसीलिए मोदीकेयर आपके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए लाया है—‘ग्रीन टी’।

लाभ:—

1. एन्टी एजिंग : यहत्वचा पर असमय बढ़ते बुढ़ापे के लक्षणों को नियंत्रित करता है।

2. मोटापा : मोटापा कम करने में ग्रीन टी बहुत मदद करता है। ग्रीन टी से कैलोरी खर्च करने की गति बढ़ जाती है। इसके कारण वजन कम होता है।

3. प्रतिरक्षा तंत्र : ग्रीन टी में विटामिन सी, पालीफिनोल्स के अलावा अन्य एन्टीआक्सीडेंट मौजूद होते हैं जो कि शरीर के फ्री रेडिकल्स को नष्ट कर प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत बनाते हैं। ग्रीन टी शरीर में लगभग 300–400 मिग्रा पालीफिनोल पहुंचाती हैं, इससे शरीर में बीमारियों के होने का खतरा कम होता है और शरीर रोग-मुक्त होता है।

4. कैंसर रोधी : ग्रीन टी कैंसर के सेल्स को बढ़ने से रोकती है। यह मुंह के कैंसर के लिए विशेष तौर पर लाभकारी है। इसके नियमित प्रयोग से पाचन नली और मूत्राशय के कैंसर की आशंका न के बराबर रहती है। इसलिए कैंसर के मरीजों के लिए रामबाण है। वैज्ञानिकों ने यह भी माना है कि हरी चाय में दो महत्वपूर्ण एन्टीआक्सीडेंट एपीगैलोकाटेकिनगैलेट इजीसीजी और एपीगैलोकाटेकिन इजीसी पाये जाते हैं।

रोकैस्टर इनवायरमेंट हेल्थ साइंस सेन्टर यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने यह शोध किया कि हरी चाय में मौजूद रसायन कैंसर के कारक टोबैको के प्रभाव को कम करते हैं। यह शोध सिद्ध करता है कि जो लोग हरी चाय पीते हैं, उनकी तुलना में काली चाय पीने वालों में कैंसर की संभावना अधिक होती है।

5. दिल के लिए : ग्रीन टी पीने से मेटाबॉलिज्म का स्तर बढ़ता है। जिसके कारण शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा संतुलित रहती है और रक्त चाप सामान्य रहता है। यह रक्त को पतला बनाती है। जिससे रक्त परिसंचरण आसान होता है। हृदयाघात की संभावना कम होती है।

6. मुंह के लिए : ग्रीन टी मुंह के लिए बहुत फायदेमन्द है। यह सांस सम्बन्धी परेशानियों— मसूड़ों और दांतों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है।

7. अल्जाइमर एवं पार्किंसन : बुढ़ापे में स्मृति क्षरण की समस्या को दूर करती है। इसके अलावा पार्किंसन रोग जिसमें लोगों के हाथ-पैर कांपने लगते हैं और वो किसी चीज को पकड़ पाने और चलने में असमर्थ होते हैं, में भी यह लाभकारी है।

8. डायबिटीज : शरीर में शर्करा के अवशोषण को रोकता है (Massachusetts Amherst, 2008)। इन्सुलिन की सक्रियता को बढ़ाता है (BHNRC, 2002)। रक्त में शर्करा के स्तर को कम करता है (HNRC's Lipid Metabolism Laboratory by Ernst Schaefer) अध्ययनों में ये सभी प्रभाव टाइप-2 डायबिटीज पर प्रभावी पाये गये। ग्रीन टी को पीने से 15 से 20 प्रतिशत तक डायबिटीज के प्रभाव में कमी पायी गयी।

इन्सतान्टे

आज के दौर में हम रोज नई-नई प्रकार की चुनौतियों से रूबरू होते हैं। घर से बाहर निकलते ही सूर्य की कड़ी धूप, पर्यावरण में उड़ता धूल और धुंआ आदि के बीच से हमारे त्वचा को गुजरना पड़ता है। परिणाम सूर्य ताप, त्वचा सम्बन्धी रोग, सर्दी-जुकाम आदि के रूप में आता है। इसके अतिरिक्त कील-मुंहासे, बाल का झड़ना, चेहरे पर झाँझियाँ, आदि बहुतेरी समस्याओं से हमें दो-चार होना पड़ता है। चुनौती यह है कि इतनी समस्या के लिए अगर हम दवा लेने जाएं तो हमें

घर में दुकान खोलनी पड़े। ऐसे हालात में मोदीकेयर का एक उत्पाद **इन्सतान्टे** किसी चमत्कार से कम नहीं है। समस्याएं अनेक और समाधान सिर्फ एक—

इन्सतान्टे

यह उत्पाद आस्ट्रेलिया जो कि पूरे विश्व में अपने उच्च गुणवत्ता वाले टी-ट्री आयल के लिए जाना जाता है, से आयातित है और इसमें 70 प्रतिशत शुद्ध टी-ट्री आयल है।



गुण	लाभ	इस्तेमाल
प्राकृतिक रूप से एन्टिसेप्टिक	संक्रमण कम करने में सहायक	कटे, छिले त्वचा पर, दाद, खाज एक्जिमा, त्वचा सम्बन्धित सभी संक्रमणों में और सर्दी, जुकाम, खांसी, टॉन्सिलाइटिस आदि में
आरामदायक	त्वचा के संताप को दूर करता है।	सूर्यताप से होने वाली हानि में, जले हुए अंगों पर क्रीम में मिलाकर लगाने पर असर को बढ़ाता है।
सुरक्षित रूप से त्वचा में प्रवेश	दर्द के जगह पर आसानी से पहुंचकर आराम प्रदान करता है	रोम छिद्रों की सफाई, सिर दर्द, बदन दर्द के तेल में मिलाकर लगायें,
प्राकृतिक सुगन्ध	इन्द्रियों को तरोताजा करता है	शारीरिक दुर्गन्ध में, बाल झड़ने की समस्या में
तीक्ष्ण महक	कीट रोधक	मच्छर, मक्खी, काकरोच, पिस्सू को हटाने में, एक अच्छा रूम फ्रेशनर के रूप में, पालतू जानवरों की सफाई करने में
संक्रमणरोधी	समस्त प्रकार की त्वचा संक्रमण को दूर करता है।	कील-मुंहासे, झाँझियाँ, रंग दब जाना, आंखों के नीचे काले घेरे एवं पैर की बड़बू दूर करने में

—:उपयोग विधि:—

प्राकृतिक रूप से एन्टिसेप्टिक:—

दो से चार बूंद पानी में मिलाकर कटी-छिली त्वचा पर लगायें। सर्दी, जुकाम, शोर थ्रोत, टॉन्सिलाइटिस एवं जकड़न की स्थिति में गरम पानी में चार बूंद मिलाकर भांप लें। दाद, खाज, एक्जिमा एवं अन्य त्वचा संक्रमण में दो से चार बूंद सीधे लगायें।

आरामदायक:—

दो बूंद चार चम्मच पानी में मिलाकर सीधे त्वचा पर लगायें। जले हुए अंगों पर चार से आठ बूंद दो चम्मच पानी में मिलाकर लगायें। क्रीम एवं लोशन लगाने से पहले एक बूंद मिलाकर लगायें।

सुरक्षित रूप से त्वचा में प्रवेश:—

चार बूंद रुई में लेकर चेहरे पर हल्के हाथों से फैलायें। तेल में आठ बूंद मिलाकर इस्तेमाल करें।

प्राकृतिक सुगन्ध:—

नहाने के पानी में चार बूंद मिलाकर नहायें। शैम्पू में दो से चार बूंद मिलाकर बाल साफ करें।

तीक्ष्ण महक :—

आठ बूंद आधे से एक लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। आलमारी, सेल्फ, दरवाजें, बेसिन पर पोंछे के रूप में इस्तेमाल करें।

संक्रमण रोधी:—

पैर की बदबू दूर करने में दो से चार बूंद नमक के साथ मिलाकर गरम पानी में 10 से 15 मिनट डुबो कर रखें। कील-मुंहासों, छाई, आंखों के नीचे काले घेरे एवं रंगत सुधारने में चार बूंद सीधे तौर पर त्वचा पर लगायें।

सावधानी:—

इन्सतान्ते का इस्तेमाल बाह्य रूप में ही करें। बच्चों की पहुंच से दूर रखें।

एसेन्सुअल 20 मूर इनोवाते

सुन्दर दिखना मनुष्य की शाश्वत इच्छा है। प्रत्येक मनुष्य सुन्दर दिखने के लिए तरह-तरह के यत्न करता रहता है। सम्पूर्ण सुन्दरता में चेहरे की सुन्दरता सबसे महत्वपूर्ण है क्योंकि चेहरा हमारे व्यक्तित्व की झलक देता है। चेहरे से न



सिर्फ हमारा आत्मविश्वास झलकता है बल्कि हमारा नज़रिया भी दिखाई देता है। चमकता हुआ चेहरा लोगों को अपनी तरफ आकर्षित करने में मदद करता है।

चेहरे की सुन्दरता बनाये रखना बड़ा ही चुनौतीपूर्ण कार्य है क्योंकि हमारे कई महत्वपूर्ण अंग चेहरे पर विद्यमान होते हैं जैसे— आंखें, नाक, मुँह आदि। आज की भागदौड़ वाली जिन्दगी और प्रदूषण से भरे वातावरण में चेहरे को कान्तिपूर्ण और दाग-धब्बे रहित रखना बड़ा कठिन है। हमारी इन चुनौतियों को समझते हुए मोदीकेयर लाया है एक ऐसा विश्वस्तरीय उत्पाद जो हमारे चेहरे का सम्पूर्ण ध्यान रखता है। इतिहास की सुन्दरतम स्त्रियों में से एक क्लियोपेट्रा और हेलेन अपने सुन्दरता को बनाये रखने के लिए जिन चीजों का प्रयोग करती थीं उन्हीं तत्वों से बना है —‘मूर इनोवाते’ जो कि चेहरे की क्लिंजिंग, टोनिंग, मॉश्चराइजिंग के साथ-साथ रिवाइटलाइजिंग का भी काम करता है।

मूर इनोवेटिव फेशियल बार :

मूर क्ले पुराने जमाने से सौन्दर्य प्रसाधन के तौर पर इस्तेमाल होता रहा है। मूर क्ले आर्गेनिक होता है और इसमें बहुत ज्यादा मिनरल्स पाये जाते हैं। इसका घोल ज्यादातर फेसमास्क या फेसपैक के तौर पर इस्तेमाल होता है। यह मूर क्ले यूरोप से लाया गया है और त्वचा की सम्पूर्ण देखभाल करता है।

- यह त्वचा को साफ करता है।
- यह टोन करता है।
- त्वचा को परिष्कृत करता है।
- त्वचा को माश्चराइज करता है।

इसके अन्दर त्वचा में गोरापन लाने के और झुर्रियों को दूर करने के गुण पाये जाते हैं। यह मुँहासों को दूर करने में सहायक है।

मूर इनोवेटिव फेशियल बार के अन्दर हेल मूर क्ले, जैतून के तेल, अंगूर के बीज का तेल लिकोराइस के तत्व एवं लेमन ग्रास के गुण पाये जाते हैं।

1. हेल मूर क्ले :-

- यहज्वालामुखी के पास की जमीन के 60 फीट नीचे की मिट्टी होती है जोकि बाहरी प्रदूषण— जैसे बरसात का पानी, कृत्रिम खाद आदि से मुक्त होती है। हेल मूर क्ले की उपलब्धता दुर्लभ है।
- यह त्वचा के प्राकृतिक pH सन्तुलन को बनाये रखता है।
- कोशिकाओं से गन्दगी खींचकर बाहर निकालता है।
- त्वचा के संक्रमण को दूर करने में सहायक होता है।

2. जैतून का तेल

- यह एन्टीऑक्सीडेंट का अच्छा स्रोत है।
- हमारे त्वचा को हानि पहुंचाने वाले फ्री रेडिकल्स को निष्क्रिय करता है।
- यह त्वचा में अवशोषित हो जाता है और प्राकृतिक मॉश्चराइजर का काम करता है।

3. अंगूर के बीज का तेल

- इसमें एन्टीऑक्सीडेंट के गुण पाये जाते हैं।
- आँखों के नीचे काले घरे को दूर करता है।
- त्वचा को चुस्त बनाये रखता है।
- त्वचा को नरम मुलायम एवं चिपचिपाहट रहित बनाता है।

4. लेमन ग्रास

- सूक्ष्म जीवाणु एवं विषाणु रोधक है।
- इसकी गन्ध त्वचा को ताजगी का आभास देती है।

5. लिकोराइस आसव

- एन्टीआक्सीडेंट का काम करता है।
- त्वचा की रंगत सुधारने में मदद करता है।

इस्तेमाल का तरीका:—

- पहले चेहरे को पानी से गीला करें, फिर मूर बार को हाथों में लेकर गाढ़ा झाग बनायें
- ऊपर की ओर हल्के हाथों से त्वचा पर लगायें
- मुंहासे तथा अन्य समस्याओं के लिए झाग की मोटी परत लगायें
- बेहतर परिणामों के लिए इसे तीन मिनट या इससे अधिक समय तक लगाये रखें।
- पानी से अच्छी तरह से धोएं और सुखायें
- रूखी त्वचा के लिए एसेंस्युअल 20 नरिशिंग क्रीम लगायें

Moore Innovate Facial Bar



COMPETITION - NONE IN INDIA
TRULY GREAT PRICE VS WHAT'S AVAILABLE ABROAD

www.ebay.com/sch/sis.html?_kw=Royale+Moore+Health+Skin+Care+BEAUTY+Soap+Bar+Natural

Format: Auction, Buy It Now

Condition: New, Used, Not Specified

Price: \$

Item Location: on eBay, US Only, North America, Worldwide

More refin

Item Title	Price	Action
ROYALE MOOR BEAUTY BAR MUD Cleansing Soap 1 BOX (4 PCS) SALE! EXPRESS SHIPPING From Malaysia	\$44.90	Buy It Now
ROYALE MOOR BEAUTY BAR MUD Cleansing Soap BUY 3 FREE 1 BOX SALE, EXPRESS SHIPPING From Malaysia	\$164.90	Buy It Now

फ्रेश मोमेन्ट्स 2

दाँत हमारे शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग है। यह हमारी सुन्दरता के साथ हमारे स्वास्थ्य के लिए भी महत्वपूर्ण है। साफ और स्वच्छ दाँत न सिर्फ खाने में हमारी मदद करते हैं बल्कि हमारे आत्मविश्वास में भी वृद्धि करते हैं। यह

आत्मविश्वास लोगों से बात करने में और उनसे अच्छे सम्बन्ध बनाने में हमारी मदद करता है।



आज से 20–30 साल पहले जब दाँतों की सफाई के लिए ज्यादातर लोग नीम, बबूल के दातुन या फिर राख का प्रयोग करते थे तब दाँत के रोगी ढूँढ़ने से भी नहीं मिलते थे परन्तु आज जबकि हर घर में पेस्ट और ब्रश मौजूद है तो लगभग हर घर में दाँत के रोगी भी मौजूद हैं। ज्यादातर मामलों में दाँत से संबंधित परेशानियों का कारण आम पेस्ट और ब्रश है।

बाजार में मिलने वाले अधिकतर टूथपेस्ट में कठोर पॉलिशिंग एजेंट का इस्तेमाल किया जाता है जो दाँत के सुरक्षात्मक एनामिल को धीरे–धीरे नष्ट कर देते हैं क्योंकि उनका आकार नुकीलेदार होता है।

मोदीकेयर का फ्रेश मोमेन्ट्स 2 पूरे परिवार के लिए उपयुक्त है। यह बैक्टीरिया से लड़ता है और टार्टर, कैविटी और दाँतों के क्षरण को रोकने में मदद करता है। एनामिल को क्षति पहुंचाए बिना दाँतों को हल्के से पॉलिश करता है। नियमित इस्तेमाल से मुँह की दुर्गन्ध दूर होती है।

विशेषताएं	लाभ
एन्टी प्लेक फार्मूला	बैक्टीरिया का निर्माण करने वाले प्लेक से लड़ता है और दाँतों पर मैल नहीं जमने देता।
एसपीए (स्पेशल)	वलयाकार एजेंट जो कठोरता पैदा किये बिना दाँतों की पॉलिश

पॉलिशिंग एजेंट)	करता है और एनामिल की रक्षा करता है।
फ्लूराइड	दांतों को कैविटी और सड़न से बचाता है। मात्रा 1000 पी पी एम की अधिकतम सीमा से कम
फ्रेशमेन्ट फ्लेवर	दुर्गन्धपूर्ण सांस को रोकता है
जॉईलिटाल	यह सुगर, चाकलेट आदि के कारण मुंह में बढ़नेवाले बैक्टीरिया को मारता है और मसूढ़ों को स्वस्थ रखता है।

फ्रेश मोमेन्ट्स प्रयोग करने के मुख्य कारण:—

1. प्लेग और टार्टर को रोकने के लिए
2. कैविटी रोकने के लिए
3. सतह के दाग को हटाने के लिए
4. सांस को ताजा बनाने के लिए
5. सांस की दुर्गन्ध को रोकने के लिए
6. मुख के सम्पूर्ण स्वास्थ्य को बनाये रखने के लिए

फ्रेश मोमेंट्स टूथब्रश

दाँतों और मसूढ़ों के सुरक्षित और बेहतरीन सफाई के लिए इसे विशेष प्रकार से डिजाइन किया गया है। मुलायम, पॉलिश किये हुए और गोलाकार छोर वाले टिनेक्स ब्रिसेल्स दांत के एनामेल की रक्षा करते हैं और ब्रश करने के समय मसूढ़ों को चोट लगने के खतरों को कम करते हैं। छोटा और कम्पैक्ट हेड आपके मुंह के भीतर अधिक जगह तक पहुंचता है और इसका लचीला नेक अत्यधिक ब्रशिंग दबाव को सह लेता है।



विशेषताएं	लाभ
आर्गनॉमिक डिजाइन	इसे विशेष प्रकार से बनाया गया है ताकि ब्रश करते समय अधिकतम नियंत्रण और आराम मिल सके।
मुलायम, पॉलिस किये हुए और गोलाकार छोर वाले टिनेक्स ब्रिसेल्स	दांत के एनामेल की रक्षा करता है। आपके दांतों को असरदार तरीके से साफ करता है और मसूढ़ों की हल्की-हल्की मालिश करता है।
छोटा और कम्पैक्ट हेड	ऐसे स्थानों तक आसानी से पहुंचता है जहां पहुंचना मुश्किल है। आपके मुंह में अधिक जगह तक पहुंच कर सफाई करता है।
लचीला नेक	ब्रश करते समय अत्यधिक दबाव को सहने में ब्रश की मदद करता है और मसूढ़ों को चोट नहीं पहुंचने देता।
किनारे के ब्रिसेल्स कोणीय है।	प्लेक और बैक्टीरिया को असरदार तरीके से हटाता है।

स्टेरीक्लीन

मनुष्य की सुख-शान्ति पाने की लालसा शाश्वत है। इसी की चाहत में वह नाना प्रकार के यत्न करता रहता है। एक साफ-सुथरा और अच्छे घर का होना इसी लालसा का एक हिस्सा है। कहते हैं कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन निवास करता है और स्वस्थ मन में सुख शान्ति के विचार आते हैं। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए घर का स्वच्छ और साफ होना निहायत जरूरी है। हमारे घर में सिर्फ हम ही नहीं रहते हैं बल्कि ऐसे जीव-जन्तु भी रहते हैं जिन्हें हम नहीं चाहते जैसे—



जीवाणु, विषाणु, कीट-मकोड़े जो हमें स्वस्थ रहने में बाधा पहुंचाते हैं। हमारे तमाम प्रयासों के बावजूद भी ये हमारा घर नहीं छोड़ते और हमें बीमार बनाने का पूरा प्रयास करते हैं। इन्हें दूर भगाने या मारने के लिए हम तरह-तरह के उत्पादों का प्रयोग करते हैं लेकिन चुनौती इस बात की है कि कोई ऐसा उत्पाद हो जो सभी तरह के कीड़ों-मकोड़ों, विषाणु, रोगाणु, जीवाणु पर समान रूप से काम करे और हमारे लिए किसी भी प्रकार से नुकसानदायक न हो। बाजार में ऐसे बहुत से ऐसे उत्पाद मिलते हैं जो इन कीटाणुओं को तो मारते हैं लेकिन हमें भी उतना ही नुकसान पहुंचाते हैं। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए मोदीकेयर के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा उत्पाद तैयार किया जो सभी तरह के कीटाणुओं, रोगाणुओं, विषाणुओं एवं जीवाणुओं पर समान रूप से काम करता है और हमें किसी प्रकार से नुकसान नहीं पहुंचाता है। पेश है— मोदीकेयर का स्टेरीक्लीन।

मूल रूप से बीमारी फैलाने वाले कारक हैं—

1. बैक्टीरिया— कांछ लगना, कालरा, हैजा, चेचक इत्यादि।
2. वायरस—सर्दी, जुकाम, स्वाइन फ्लू, इन्फ्लुएन्जा इत्यादि।
3. फंगस— दाद, खाज, त्वचा पर चकत्ते पड़ना, दहिया लगना इत्यादि।

विशेषताएं:—

- शक्तिशाली कीटाणुनाशक क्लीनर।
- असरदार कवकनाशी, विषाणुनाशी और कीटाणुनाशी।

- भोजन के सम्पर्क वाली सतहों को स्वच्छ रखता है।
- गाढ़ा।
- इसमें बैजोएल्कोनियम क्लोराइड मौजूद है।
- बहुपयोगी
- नई खुशबु

लाभ:—

- सभी तरह की सतहों की सफाई करता है और इन्हें कीटाणुरहित बनाता है।
- विभिन्न तरह के बैक्टीरिया, कवक और वायरस का नाश करता है। फफूंद लगने से बचाता है।
- स्टेरिकलीन के घटक तत्व मानव शरीर के लिए सुरक्षित है और इनका इस्तेमाल आपकी रसोई के भोजन की सम्पर्क सतहों की सफाई के लिए किया जा सकता है।
- अत्यन्त कीफायती। एक लीटर की मदद से एक हजार लीटर कीटाणुनाशी घोल बनाया जा सकता है।
- सबसे सुरक्षित और सबसे असरदार कीटाणुनाशियों में से एक। इको फ्रेंडली।
- डेयरी/पोल्ट्री फार्म और मांस प्रसंस्करण इकाईयों में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।
- स्वच्छ और ताजी खुशबु

प्रयोग:—

दीवाल, फर्श, मेज, किचन, काउन्टर टॉप, सिंक, बेड फ्रेम, दरवाजों की नॉब, दूरभाष के उपकरण, स्नानघर, शौचालय, शॉवर क्यूबिकल्स, नैपी की बाल्टी, कचड़ा पेटी आदि के कीटाणुओं के नाश के लिए।

अस्पताल, क्लिनिक, रेस्तरां, मांस/चिकन/मछली प्रसंस्करण इकाई, डेयरी/पोल्ट्री फार्म में इस्तेमाल के लिए अच्छा है।

उपयोग विधि:—

घोल/उत्पाद : पानी का अनुपात	
सामान्य धुलाई	10 लीटर पानी में 10 मिली
कठिन धुलाई	4 लीटर पानी में 10 मिली
अत्यन्त दूषित क्षेत्र	1 लीटर पानी में 10 मिली

बियोड ब्लू

हम सभी अपने परिवार के स्वास्थ्य के बारे में हमेशा जागरूक रहते हैं और परिवार का स्वस्थ घर की सफाई से जुड़ा है। वैसे तो हम अपने पूरे घर की सफाई करते रहते हैं लेकिन हमारे घर में एक ऐसी जगह होती है जिसकी साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए क्योंकि उस जगह का सीधा सम्बन्ध हमारे स्वास्थ्य से होता है और उस जगह पर हमारे परिवार के प्रत्येक सदस्य निश्चित रूप से बैठते हैं। वह जगह होती है हमारे घर का शौचालय, जहां लाखों प्रकार के कीटाणु होते हैं। उस जगह का साफ-सुथरा व स्वस्थजनक होना हमारे परिवार के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करता है। कहा जाता है कि इंसान का व्यक्तित्व उसके जूते से और घर की जागरूकता, शौचालय से पता चलती है।



सामान्यतः हम शौचालय के सफाई के लिए बाजार में उपस्थित क्लिनर इस्तेमाल करते हैं, जो न तो हमारे शौचालय को शत-प्रतिशत साफ करते हैं और न ही हमारे त्वचा तथा शौचालय के लिए सुरक्षित होते हैं। बाजार में मिलने वाले क्लिनर में '20 मिनट फार्मूला' होता है अर्थात् फर्श पर रसायनिक रूप से निष्क्रिय होने में उसे 20 मिनट से अधिक का समय लगता है। आज की तेज रफ्तार जिन्दगी में इतना समय किसी के पास नहीं है। फलतः क्लिनर का सक्रिय रसायन टैंक या सीवर में जाकर उन जीवाणुओं को भी मार देता है जिनका रहना आवश्यक है। इसका दुष्परिणाम—

- शौचालय का पूरी तरह से कीटाणुमुक्त न होना ।
- सेप्टी टैंक में एक्टिव केमिकल जाने से मित्र कीटों का मरना ।
- टैंक से बदबू आना ।
- कई घरों का एक्टिव केमिकल सीवर में जाने से सीवर पाइप के फटने की संभावना बढ़ जाती है ।
- प्रदूषण में वृद्धि ।

शौचालय को अच्छी तरह से साफ रखने, कीटाणु मुक्त रखने एवं उपर्युक्त समस्याओं से हमें बचाने के लिए मोदीकेयर पेश करता है— **“बियोड ब्लू”** ।

एक अनूठा, अलौकिक, अतुलनीय, सम्पूर्ण क्लीनर तथा शौचालय को शत-प्रतिशत हाइजेनिक करने वाला एक ऐसा उत्पाद जो एक घड़ी की तरह काम करता है। यानि

खुद-ब-खुद 90 सेकेंड में अपना रंग बदलकर हरे से नीला हो जाता है। इसका मतलब सफाई की प्रक्रिया पूर्ण।

लिविड टॉयलेट क्लीनर की विशेषताएं :-

गुण	लाभ
1. 90 सेकेण्ड फार्मूला	कीटाणु और बैक्टीरिया को मारकर 90 सेकेण्ड के भीतर टॉयलेट को साफ और कीटाणुरहित बनाता है।
2. अनोखा कलर चेंजिंग फार्मूला	जिद्दी दाग-धब्बों यूरिक एसिड फेश और लाइम स्केल को घुलाकर रंग को हरे से बदलकर नीला कर देता है।
3. बहुपयोगी	सभी शौचालयों के लिए उपयुक्त, विशेषकर अर्द्धशहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के सेप्टिक टैंकों के लिए सुरक्षित
1. चाइल्डप्रूफ कैपयुक्त	प्रयोग की दृष्टि से सुविधाजनक व आसान
5. प्राकृतिक रूप से सहनशील	इको फ्रेंडली

प्रयोग:-

- शौचालयों की सफाई और इन्हें कीटाणु रहित बनाने के लिए
- भारतीय और पाश्चात्य शैली दोनों तरह के शौचालयों के लिए उपयुक्त

कैसे इस्तेमाल करें?:-

- गीले सतह पर बियॉड ब्लू को हल्के से दबायें।
- 90 सेकेण्ड तक प्रतीक्षा करें और हल्के से ब्रश करें। आप देखेंगे की इसका रंग हरे से नीले में बदल रहा है।
- फिर फलश करें।

सावधानी:-

- बच्चों के पहुंच से दूर रखें
- आंख के सम्पर्क में न ले जायें
- बीयॉड ब्लू को सूखे शौचालय पर न लगायें।
- सुनिश्चित करें कि सतह गीली हों।

डज ऑल

सफाई—स्वस्थ रहने के लिए, अच्छा दिखने के लिए, आकर्षक लगने के लिए सबसे जरूरी क्रिया है। सफाई का नाम आने पर अनेक चीजों का स्मरण हो आता है जो हमारे रोजमर्रे की जिन्दगी में आती हैं। अभी तक हम अलग-अलग वस्तुओं की सफाई के लिए अलग-अलग चीजों का प्रयोग करते हैं। बहुतेरे जगहों पर तो हमारे त्वचा को उसका खामियाजा भी भुगतना पड़ता है। मगर यहां हमारे पास एक ऐसा उत्पाद है जो सामान्य सफाई के अतिरिक्त फर्नीचर, इलेक्ट्रानिक्स के सामान, कपड़े, शीशा, दीवाल, फर्श आदि कुछ भीसाफ करने के काम आता है। उससे भी बड़ी विशेषता यह कि त्वचा पर किसी तरह का खराश तक महसूस नहीं होता। इस ऑल-इन-वन उत्पाद को ही कहते हैं—**डज ऑल**।



डज ऑल शक्तिशाली, सुरक्षित एवं सौम्य द्रवीय आर्गेनिक क्लीनर है जो कि कपड़ों से लेकर औद्योगिक मशीनरी तक सभी धोने योग्य सतहों को साफ करता है।

विशेषताएं:—

गुण	लाभ
एडवांस फार्मूला लिक्विड आर्गेनिक क्लीनर	अधिक साफ—सुथरी सफाई,
सुरक्षित, सौम्य और दमदार	धोने योग्य सभी सतहों की सफाई करता है
गाढ़ा एवं सस्ता	अधिक क्षेत्र की सफाई के लिए कम मात्रा की आवश्यकता होती है। 250 एमएल के 200 लीटर का घोल तैयार किया जा सकता है।
नारियल तेल	हाथों को मुलायम रखता है। सतह को चमकदार बनाता है।
डायल्यूशन प्रोडक्ट: पानी का अनुपात	
शीशा, आइने की सफाई	प्रति ली. 1/4 चम्मच
फर्श, पेन्टेड वॉल वुडवर्क की सफाई के लिए	प्रति ली. 1 चम्मच
दाग—धब्बे हटाने के लिए	पूरी ताकत
इलेक्ट्रानिक उपकरणों की सफाई के लिए	प्रति ली. 2/3 चम्मच
स्याही, ग्रीस के जिद्दी दाग को हटाता है।	प्रति ली. 3 चम्मच
थाली की सफाई	प्रति ली. 3 चम्मच
अर्न्तवस्त्र नायलान की सफाई	प्रति ली. 2/3 चम्मच
ऊनी व नाजुक कपड़ों की सफाई	प्रति ली. 1 चम्मच

ऑटो वाश एडवांस्ड कंसेंट्रेटेड ऑटो शैम्पू

आज के युग में वाहन हमारे जीवन के अभिन्न अंग हैं। हर इंसान का सपना होता है अपनी कार/बाईक। यदि वाहनों का होना हमारे सामाजिक और आर्थिक स्तर को प्रदर्शित करता है तो वाहनों की स्थिति हमारी सक्रियता और नजरियें को दिखाती है क्योंकि वाहनों को साफ-सुथरा और नये जैसे बनाये रखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। जैसे-जैसे हमारा वाहन पुराना होता है, उसके प्रति हमारा जोश कम होता जाता है।



अधिकांश लोग अपने वाहन धोने के लिए वांशिग पॉउडर, डिटरजेंट या शैम्पू का प्रयोग करते हैं जो धीरे-धीरे वाहन के पॉलिस को हटा देता है और वाहन के रंग (पेन्ट) को फीका (धुंधला) बनाता है। परन्तु अब आपके पास ऐसा उत्पाद है जो न सिर्फ आपके वाहन से धूल, ग्रीस, तेल आदि को सफलतापूर्वक हटाता है, बल्कि उसके रंग व पॉलिस को चमकदार बनाता है। इसके नियमित प्रयोग से आपका वाहन नये जैसा बना रहता है और आपको जोश और गर्व की अनुभूति देता है।

घटक तत्व	लाभ
एडवांस्ड फार्मूला	गाढ़ा द्रव जो इसे कम खपत वाला बनाता है यानि कम पैसे में ज्यादा काम। 50 कार को धुलने के लिए 250 ml पर्याप्त है।
कलर प्रोटेक्टेंट्स	एक यूनिक फार्मूला जो कि पॉलिस और चमक को हटाये बिना सतह की पूरी सफाई करता है। यह ऑटोमोबाइल सतह से कोई खरोंच छोड़े बिना धूल, ग्रीस और गन्दगी हटाता है।
सिलिकॉन कंडिशनर	सफाई के बाद सतह पर एक परत बना देता है। जो सतह की चमक को बनाये रखता है एवं धूल को जमने से रोकता है।
बॉयोडिग्रेडेबल	पर्यावरण के अनुकूल

इस्तेमाल:-

कार-6 ली. पानी में एक चम्मच (8ml)

स्कूटर/बाईक- 2 दो ली. चम्मच में आधा चम्मच

माईटी-इन-वन शाइन एंड प्रोटेक्शन

धनाढ्य वर्ग की बढ़ती जनसंख्या ने समाज में अमीरी की परिभाषा भी बदली है। यह वर्ग मात्र धन से संतुष्ट नहीं है, वरन् उसे अलग-अलग रूपों में दिखाने का भी शौकीन है। अपनी अमीरी से इस वर्ग ने रईसी को नया रूप दिया है। यह दिखावा अब स्टेट्स के रूप में सामने आया है। घर-परिवार और बाजार में व्याप्त एन्टिक पीसों का संग्रह और उन्हें अपने घरों में इस रूप में रखना मानो वो अभी-अभी खरीद कर लाये हैं, लोगों का शगल बन रहा है। इस पर वे काफी पैसे खर्च करते हैं फिर भी रख-रखाव काफी दुरुह हो जाता है। मगर आज हर वर्ग के लिए पुरानी से पुरानी और नयी से नयी हर चीजों को भी बराबर नया बनाये रखना और उसकी वास्तविक चमक को बरकरार रखना आसान ही नहीं सस्ता और सुलभ भी हो सकता है। इसे और सस्ता व सुलभ बनाया है **मोदीकेयर के माईटी-इन-वन शाइन एंड प्रोटेक्शन**।



सिलिकॉन पॉलिमर से बना यह अद्वितीय उत्पाद न केवल धूल-धुंआ, बल्कि सूर्य की परा-बैंगनी किरणों वर्षा और कुछेक रसायनों से भी आपके सामान को सुरक्षित चमक प्रदान करता है।

कहाँ-कहाँ प्रयोग करें:-

चमड़े, धातु, लकड़ी, रबर और प्लास्टिक से निर्मित वस्तुओं पर।

प्रयोग विधि:-

पहले सतह को अच्छे क्लीनर जैसे माईटी-इन-वन मल्टी पर्पज क्लीनर से साफ करें। अब माईटी-इन-वन शाइन एंड प्रोटेक्शन की बोतल को हिलाकर स्प्रे करें। फिर सूखे कपड़े या हाथ से बराबर फैला दें। कुछ देर बाद सूखे कपड़े से हल्के रगड़ें। आवश्यकता हो तो दूसरी कोट भी लगायें।

विशेषताएँ:-

1. सतह को सुरक्षित रखता है, चमकाता है और बेहतर बनाता है।
2. सतह को परा-बैंगनी किरणों से सुरक्षा प्रदान करता है।
3. मौसम रोधी सुरक्षा देता है और गहराई से चमक को वापस लाता है।
4. स्थिर विद्युत को कम करता है ताकि धूल और गन्दगी का जमना कम हो सके।
5. जलरोधी परत प्रदान करता है।
6. सतह पर धूल नहीं जमने देता।

एक्टिव-80 गोल्ड

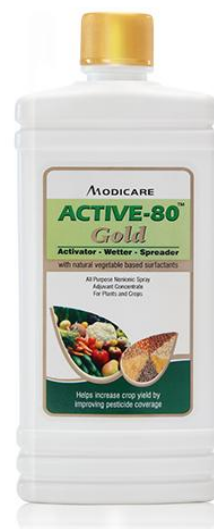
भारत एक कृषि प्रधान देश है। आज भी हमारे देश की दो तिहाई जनसंख्या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से खेती से जुड़ी हुई है। हमारे देश के सकल घरेलू उत्पाद का 28 प्रतिशत हिस्सा कृषि से आता है। अर्थ व्यवस्था में इतना अहम रोल अदा करने के बावजूद भी यह क्षेत्र आज भी उपेक्षित है। कृषि क्षेत्र में बढ़ती चुनौतियां सीधे-सीधे आम आदमी के जीवन पर असर डालती है।

सरकारी उपेक्षा और मौसमों की मार से किसान उतना व्यथित नहीं है जितना कि बढ़ती हुई लागतों से है। उर्वरकों की अनुपलब्धता और सिंचाई संसाधनों में कमी भी कोढ़ में खाज का काम करती है।

आमतौर पर देखा गया है कि किसान जिन बीजों, खादों या कीटनाशकों का इस्तेमाल करता है, उनका एक बड़ा हिस्सा नष्ट हो जाता है। जैसे- 30-40 प्रतिशत बीज अंकुरित ही नहीं हो पाते। 40-50 प्रतिशत पानी बह या उड़ जाता है। 50-60 प्रतिशत तक कीटनाशक कीड़ों तक पहुंच ही नहीं पाता। 30-40 प्रतिशत उर्वरक उड़ जाता है या फिर फसल को नहीं मिल पाता।

यदि इस बर्बादी को होने से बचा लिया जाय तो लागत में कमी की जा सकती है। इसके अतिरिक्त अन्धाधुन्ध रसायनों के प्रयोग से होने वाली हानियों से बचना भी एक चुनौती है। ऐसे में **एक्टिव-80 गोल्ड** किसानों के लिए वरदान साबित हुआ है।

एक्टिव-80 गोल्ड हमारी इन्हीं चुनौतियों को स्वीकार करता है। यह लागत में कमी करता है, उर्वरकों पर निर्भरता कम करता है और पैदावार को बढ़ाता है।



उपयोग:-

बीज के साथ:-

बीजारोपण से 10-12 घंटे पहले एक किग्रा बीज में 5-10 ml एक्टिव-80 गोल्ड थोड़े से पानी में मिलाकर बीजोपचार करें।

लाभ:-

- बीजों का अंकुरण 80-90 प्रतिशत होगा।
- ज्यादा पौधे होंगे तो ज्यादा पैदावार होगी।

उर्वरक के साथ :-

150ml प्रति एकड़ उर्वरक के साथ मिलाकर फेंके।

लाभ:—

- नाइट्रोजन को उड़ने से बचाता है।
- डीएपी को जल्दी गलाता है।
- मिट्टी में जाने के बाद उर्वरक को फैलाता है जिससे कि उर्वरक पौधों की जड़ तक पहुँच जाय।
- उर्वरक के सही और सम्पूर्ण इस्तेमाल से पौधे मजबूत होंगे, रोगमुक्त होंगे और फसल ज्यादा होगी।

कीटनाशक के साथ:—

प्रायः यह देखा जाता है कि जब किसान कीटनाशकों या फफूंदी नाशकों का घोल बनाकर पौधों पर छिड़कता है तो घोल बूंदों के आकार में पत्तियों पर जमा हो जाता है और पत्तियों के हिलने पर बूंदे ढलकर जमीन पर गिर जाती हैं। इस तरह से किसान को तिहरा नुकसान होता है—

1. कीड़े पूरी तरह मरते नहीं हैं क्योंकि कीटनाशक सारे कीड़ों तक नहीं पहुँच पाता।
2. बार—बार कीटनाशक डालना पड़ता है जिससे लागत बढ़ती है।
3. कीटनाशकों के जमीन पर गिरने से मिट्टी, पौधे और फसल भी जहरीली हो जाती है।

एक्टिव-80गोल्ड को कीटनाशक के साथ 15 लि. के टैंक में 10–12 ml मिला दें।

लाभ:—

- **एक्टिव-80गोल्ड** कीटनाशक को पौधे की पत्तियों पर पूरी तरह फैला देता है और बड़ी बूंदे नहीं बनने देता।
- कीटनाशकों के असर को बढ़ाकर उसका अधिकतम उपयोग कर लेता है जिससे कि कीटनाशक डालने का उद्देश्य पूरा होता है।
- बार—बार कीटनाशक नहीं डालना पड़ता है जिससे कि लागत घटती है।

सिंचाई में:—

प्रति एकड़ सिंचाई के लिए कम से कम 80 लि. पानी में 160 ml **एक्टिव-80 गोल्ड** मिलायें, सिंचाई से पहले इस मिश्रण का छिड़काव करें।

लाभ:—

- पानी को भीतर तक पहुँचाने में मदद करता है।
- पानी के पृष्ठ तनाव को तोड़ देता है जिससे पानी जल्दी फैलता है।
- मिट्टी के पानी चूसने की क्षमता को बढ़ाता है।
- नमी की मात्रा ज्यादा गहराई और ज्यादा दिन तक रहती है।

- सिंचाई की लागत घटाता है जैसे— 5 पानी की जगह 4 पानी में काम चल जाता है।
- सिंचाई का समय घटाता है जैसे— 6 घंटे की जगह 5 घंटे में सिंचाई हो जाती है।

फलदार पौधों पर—20 ml एक्टिव-80 गोल्ड 15 ली. पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

लाभ:—

- पुष्पन की क्रिया तेज करता है।
- फूलों का झड़ना रोकता है।
- फूलों की जमावट बेहतर करता है।
- फलों का विकास, आकार, वजन और रंग बेहतर बनाता है।

एक्टिव-80 गोल्ड प्रयोग के मुख्य कारण:—

1. बीजों के अधिकतम अंकुरण के लिए
2. खेत में डाले गये उर्वरक के अधिकतम इस्तेमाल के लिए
3. कीटनाशकों, खरपतवार नाशकों और फफूंदीनाशकों को ज्यादा असरकारक बनाने के लिए
4. नमी को ज्यादा दिन तक बनाये रखने के लिए
5. फसलों की गुणवत्ता, रंग और आकार में सुधार के लिए
6. रसायनिक खादों पर निर्भरता कम करने के लिए
7. उर्वरा शक्ति को बनाये रखने के लिए
8. कृषि लागत में कमी करने के लिए
9. पैदावार बढ़ाने के लिए

अतिरिक्त विशेषताएँ :—

- यह एक नॉन-आयनिक उत्पाद है।
- मानव शरीर के लिए किसी भी तरह से नुकसानदायक नहीं है।
- स्प्रे मशीन को साफ रखने में मदद करता है, नॉजल को जाम नहीं होने देता और मशीन में जंग लगने नहीं देता।

एक्टिवजाईम

भारत किसानों का देश है। कृषकों ने ही आज तक अर्थ व्यवस्था को सुदृढ़ता प्रदान की है। सकल घरेलू उत्पाद में 28 प्रतिशत से अधिक का योगदान करने वाली कृषि व्यवस्था भी तमाम प्राकृतिक एवं कृत्रिम कारकों से बुरी तरह प्रभावित हो रही है। उत्पादन चाहे जितना बढ़ रहा हो लेकिन गुणवत्ता घटी है। मिट्टी की प्रकृति भी बदल रही है। अगर मिट्टी रसायनों की मार झेलने की शक्ति खो रही है तो पौधे भी प्रभावित हो रहे हैं। पौधों के अन्दर की रसायन संरचना को समझने की जरूरत है। यहाँ चिन्ता नहीं, चिन्तन आवश्यक है। डीजल, रसायनिक खादों और पादप दवाओं के बढ़ते मूल्य ने कृषि लागत को बढ़ा दिया है। लागत के सापेक्ष कम होती आमदनी ने कृषक वर्ग को मात्र निराश नहीं वरन् आत्महत्या तक को विवश कर दिया है।



आखिर क्या किया जाये कि किसानों की उत्पादकता के साथ-साथ गुणवत्ता में भी वृद्धि हो, साथ ही मिट्टी की उर्वरता में कमी न आये एवं लागत भी न बढ़े। अर्थात् एक किसान को चाहिए उर्वरता, उत्पादकता एवं गुणवत्ता। मतलब आम के आम गुठली के दाम और छिलके भी आए काम.....।

समय बदला। चक्र बदला। काम का ढंग बदला। मानव के स्वास्थ्य के लिए अगर एन्जाइम्स की जरूरत है तो हम पौधों के लिए लेकर आए हैं, एन्जाइम्स और हार्मोन्स से भरपूर—एक्टिवजाईम ।

एक्टिवजाईम समुद्री शैवाल से मिश्रित एक ऐसा यौगिक है जो फलों की गुणवत्ता और उत्पादकता को बढ़ाता है। साथ ही पौधों को विपरीत परिस्थितियों एवं रोगों से सुरक्षित रखता है। यह पादप हार्मोन्स और सूक्ष्माणुओं की भी पूर्ति करता है। फलों के गिरने, सड़ने या अविकसित रह जाने की प्रक्रिया को रोकता है। जड़ को मजबूती प्रदान करता है। पौधों के सम्यक विकास में आवश्यक चयापचय (मेटाबोलिज्म) क्रिया को सुचारु एवं सक्रिय करता है। पौधे एवं फलों के वास्तविक स्वाद एवं आकार को भी अक्षुण्ण रखता है। पूर्णतः प्राकृतिक यह उत्पाद कृत्रिम एवं प्राकृतिक (हर्बल) दोनों तरह के कृषि परम्पराओं के लिए लाभदायक है। हर्बल दवाओं की खेती में भी इसका प्रयोग लाभदायक एवं गुणकारी है।

विशेषताएं:—

घटक तत्व	लाभ
1. साइटोकाइनिन	जड़ों में वृद्धि करता है, फूलों को गिरने से रोकता है। पत्तियों की सक्रियता को बनाये रखता है और पौधे में एन्जाइम्स और प्रोटीन्स के संश्लेषण को बढ़ाता है।

2. ऑक्सिन	कोशिका वृद्धि में सहायक, प्रकाश संश्लेषण और श्वसन में असरकारक। पत्तियों को गिरने से बचाता है और पौधे में भोजन के प्रवाह को सुचारु रखता है तथा लकड़ी निर्माण में सहायक है।
3. जिब्रेलीन	कोशिका विभाजन को प्रेरित करता है और जड़ तंत्र को मजबूत बनाता है।
4. एन्जाइम्स	कोशिकाओं के जैव रसायनिक प्रक्रिया को प्रेरित रखता है और मृदा से पोषक तत्व एवं जल संचार को सुधारता है। विपरीत परिस्थितियों में पौधे की वृद्धि को प्रेरित करता है।
5. बिटेन्स	कोशिकाओं की संरचना पर होने वाले विपरीत प्रभाव को कम करता है। पौधे के सम्यक विकास के लिए उत्तरदायी है। पौधों के प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत बनाता है।
6. हाइड्रोलाइज्ड प्रोटीन कम्प्लेक्स	इसमें पाये जाने वाले पेप्टाइड्स और एमिनो एसिड कोशिका वृद्धि में सहायक होते हैं

एक्टिवजाइम ही क्यों?:-

1. मृदा की उर्वरता बढ़ाने के लिए
2. जल की कमी और जल प्रबन्धन में प्रभावकारी
3. गुणवत्ता युक्त पैदावार के लिए
4. लागत के सापेक्ष आमदनी बढ़ाने के लिए
5. पर्यावरण प्रदूषण के दुष्प्रभाव से पौधों को बचाने के लिए

सावधानी:-

1. इसका प्रयोग क्षारीय प्रकृति के पौधों पर सर्वथा नहीं करना चाहिए।
2. ऐसे उत्पाद विशेषकर खरपतवारनाशक के साथ इसका प्रयोग बिल्कुल नहीं करना चाहिए।

प्रयोग विधि:-

2. 1 एमएल एक्टिवजाइम्स को 1 लीटर पानी में घोलें।
3. सामान्यतः 200 एमएल एक्टिवजाइम्स प्रति एकड़ के हिसाब से प्रयोग करें।
4. सामान्यतः इसका छिड़काव सुबह या शाम के समय शान्त वातावरण में ही करें।

इन्सतान्ते

उद्देश्य:—

यह दिखाना कि इन्सतान्ते रोम छिद्रों के भीतर प्रवेश कर जाता है।

सामग्री:—

- 2 गुब्बारे
- सामान्य तेल
- इन्सतान्ते

प्रक्रिया:—

दो गुब्बारों को अच्छी तरह फुलायें। दोनों गुब्बारों को दो लोगों के हाथों में पकड़ा दें। एक गुब्बारे पर सामान्य तेल डालें। दूसरे गुब्बारे पर इन्सतान्ते डालें।

परिणाम:—

जिस गुब्बारे पर इन्सतान्ते डाला गया था। वह फट जायेगा।

निष्कर्ष:—

ये पता चलता है कि इन्सतान्ते त्वचा के भीतर प्रवेश कर जाता है। जब भी आप सामान्य तेल, दर्द निवारक तेल, क्रीम, दर्द निवारक लोशन लगाते हैं तो वह ऊपरी त्वचा पर ही रह जाता है जो कि कपड़ों अथवा धूल के सम्पर्क में आकर पूर्ण असर नहीं दे पाता। परन्तु इन्सतान्ते किसी भी तेल या क्रीम में मिलाकर लगाने से रोम छिद्रों के द्वारा त्वचा के भीतर तक प्रवेश कर जाता है और तेल एवं क्रीम के असर को बढ़ाता है।



वैल डी-टॉक्स

उद्देश्य:—

डी-टॉक्स के द्वारा शरीर के आन्तरिक सफाई की क्षमता को दिखाना।

सामग्री:—

- एक आलू
- एक चाकू
- नील
- कॉटन
- डी-टॉक्स



प्रक्रिया :—

आलू को बीच से काट दें। दोनों भागों के कटे हुए सतह पर नील की एक-एक बूंद गिरायेँ और दोनों को आपस में चिपकाकर नील को कटे हुए सतह पर अच्छी तरह फैलायेँ। अब एक भाग के नील को कॉटन से साफ करें और दूसरे भाग के कटे हुए सतह पर डी-टॉक्स की 1 गोली को पाउडर के रूप में डालें। अब इस भाग को कॉटन या साफ कपड़े से रगड़ कर साफ करें।

परिणाम:—

आलू के जिस भाग को डी-टॉक्स से साफ किया गया उसकी सतह साफ हो जाती है और आलू प्राकृतिक दिखने लगता है जबकि दूसरा भाग नीला दिखता है।

निष्कर्ष:—

इस प्रयोग से यह साबित होता है कि जिस तरह से डी-टॉक्स आलू के अन्दर घुसे हुए नील को साफ कर देता है उसी प्रकार से यह हमारे शरीर के अन्दर के गन्दगी को भी साफ करता है।

यहाँ पर आलू को मानव शरीर के और नील को टॉक्सिन के रूप में दिखाया गया है।

वेल कार्डियोएक्टिव

उद्देश्य:—

कार्डियो एक्टिव की सक्रियता

सामग्री:—

- सरसों का तेल
- 1 पारदर्शी ग्लास
- कार्डियो एक्टिव
- 1 चम्मच



प्रक्रिया :—

शीशे के ग्लास में पानी ले लें फिर उसमें सरसों के तेल की कुछ बूंदें गिरायें व अच्छी तरह मिलायें। आप पायेंगे कि तेल की बूंदें पानी पर तैर रही हैं।

अब आप कार्डियो एक्टिव की एक गोली को पीसकर पाउडर बना लें। उस पाउडर को ग्लास में डालकर चम्मच से हिलायें।

परिणाम:—

पानी के ऊपर तैरता तेल छोटे-छोटे टुकड़ों में टूट जाता है।

निष्कर्ष:—

तेल का छोटे-छोटे टुकड़ों में टूटना यह सिद्ध करता है कि हमारे शरीर के अन्दर व्याप्त एलडीएल (Low Density Lipid) को यह छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़कर धमनियों में रक्त प्रवाह को सुचारू बनाता है। ये छोटे-छोटे टुकड़े रक्त के साथ प्रवाहित होने लगते हैं जिससे ब्लॉकेज नहीं होता। ये बहते हुए टुकड़े जब लीवर तक पहुंचते हैं तो लीवर द्वारा इनका अवशोषण होता है जिससे कोलेस्ट्रॉल का स्तर नियंत्रित होता है।

कैल्शियम कॉम्प्लेक्स

उद्देश्य :-

यह प्रदर्शित करना है कि हमारा वेल कैल्शियम कॉम्प्लेक्स शरीर में ज्यादा अवशोषित होता है अपेक्षाकृत साधारण कैल्शियम कार्बोनेट वाले कैल्शियम से।

सामग्री :-

- वेल कैल्शियम कॉम्प्लेक्स
- कैल्शियम कार्बोनेट टेबलेट (उदा. – शेलकॉल, एमवे, कालमेघ-डी)
- दो पारदर्शी ग्लास
- पानी



प्रक्रिया :-

दो ग्लास में 2/3 भाग पानी भर लें। एक में कैल्शियम कॉम्प्लेक्स टेबलेट डालें तथा दूसरे में कैल्शियम कॉर्बोनेट टेबलेट डालें। 60 सेकेंड तक प्रतीक्षा करें। आप पायेंगे कि कैल्शियम कॉम्प्लेक्स जल्दी घुल रहा है और उसका रंग दूध जैसा सफेद हो रहा है, जबकि कैल्शियम कॉर्बोनेट देर तक वैसा ही रहेगा जैसा डाला गया था।

निष्कर्ष :-

वेल कैल्शियम कॉम्प्लेक्स का कैल्शियम कॉर्बोनेट के अपेक्षा पानी में घुलना ये साबित करता है कि वेल कैल्शियम कॉम्प्लेक्स शरीर के अन्दर जाकर जल्दी घुलकर अवशोषित हो जाता है। फलतः शरीर कैल्शियम कॉम्प्लेक्स का पूर्ण उपभोग करता है और हमारे शरीर में कैल्शियम की कमी को दूर करता है।

फ्रेश मोमेन्ट टूथपेस्ट

उद्देश्य:—

यह प्रदर्शित करना कि फ्रेश मोमेन्ट टूथ पेस्ट दांतों की सफाई करता है और इनेमिल को सुरक्षित करता है।

सामग्री:—

- बाजार का टूथपेस्ट
- फ्रेश मोमेन्ट टूथपेस्ट
- स्टील की कटोरी



प्रक्रिया:—

1. कटोरी लेकर कान पर लगाएं।
2. कटोरी की तल्ली पर बाजार का टूथपेस्ट लगायें।
3. धीरे-धीरे उंगली से तल्ली पर लगे टूथपेस्ट को रगड़ना चालू करें।
4. तल्ली को पूरी तरह से साफ करें।
5. फ्रेश मोमेन्ट टूथपेस्ट लें एवं उपरोक्त प्रक्रिया को दोहरायें।

परिणाम:—

बाजार के टूथपेस्ट को रगड़ने पर किरकिराहट की आवाज आयेगी। पर यह आवाज फ्रेश मोमेन्ट टूथपेस्ट से नहीं आयेगी।

निष्कर्ष :-

फ्रेश मोमेन्ट टूथपेस्ट में स्पेशल पॉलिसिंग एजेन्ट (SPA) होते हैं।

लाभ:—

आमतौर पर बाजार में उपलब्ध टूथपेस्ट जिन घटकों से बनते हैं। वो पूरी तरह से परिष्कृत नहीं होते और अनेक दानें त्रिभुजाकार, आयताकार या विभिन्न प्रकार की आकृति (Δ , \square , \diamond) के होते हैं। जिनसे रगड़ने पर दांतों की सफेद परत (इनामिल) कट जाता है। दांतों में पानी लगने लगता है। फ्रेश मोमेन्ट टूथपेस्ट में स्पेशल पॉलिसिंग एजेन्ट होता है जिसके दाने गोल आकार (O) के होते हैं और रगड़ने पर सफेद परत (इनामिल) को केवल कोमलता से साफ करते हैं जिससे किसी भी प्रकार की क्षति नहीं होती।

फ्रेश मोमेन्ट टूथ ब्रश

उद्देश्य:—

यह प्रदर्शित करना कि मुंह की पूर्ण सफाई बिना क्षति पहुंचाये कर सकता है।

सामग्री:—

फ्रेश मोमेन्ट ब्रश



प्रक्रिया:—

फ्रेश मोमेन्ट टूथब्रश हाथ में ले और उसकी गर्दन हिला कर दिखायें। उसके उपरान्त हैंडल भी मोड़कर दिखायें।

परिणाम:—

फ्रेश मोमेन्ट टूथ ब्रश पूरी तरह से मुड़ जायेगा।

निष्कर्ष:—

यह बहुत ही लचीला है।

लाभ:—

जैसे हम अपनी अंगुली का प्रयोग मुंह की साफ-सफाई के लिए करते हैं और वह पूर्ण रूप से लचीली है। मुंह के हर कोने में पहुंच जाती है। इससे मुंह में चोट नहीं लगती। उसी प्रकार से फ्रेश मोमेन्ट टूथब्रश मुंह के हर कोने में पहुंचकर साफ-सफाई करता है परन्तु इससे मुंह के भीतर चोट नहीं पहुंचती।

स्टेरी क्लीन

उद्देश्य:—

स्टेरी क्लीन की जीवाणु, विषाणु और फफूंदी नाशक क्षमता को दिखाना।

सामग्री:—

- 1 पारदर्शी ग्लास
- उजाला नील
- स्टेरी क्लीन
- पानी



प्रक्रिया:—

काँच या प्लास्टिक के ग्लास में पानी लें और उसमें नील 2–3 तीन बूंदे डालें। पानी को नीला हो जाने दें, तत्पश्चात् स्टेरी क्लीन की कुछ बूंदे उसी ग्लास में डालें और मिलायें।

परिणाम:—

नील के असर को समाप्त कर देता है और पानी को उसके रंग में ले आता है।

निष्कर्ष:—

यहाँ पर नील को फफूंदी के प्रतिनिधि के रूप में प्रयोग किया गया है और यह दिखाने का प्रयास किया गया है कि जिस प्रकार स्टेरी क्लीन नील के अन्दर मिथाइल आइसो वॉयलेट को निष्क्रिय कर देता है। उसी प्रकार यह हर तरह के जीवाणुओं, विषाणुओं, फंगस आदि को निष्क्रिय करता है।

डॅज-आल

उद्देश्य:—

यह प्रदर्शित करना कि डॅज-आल बहुपयोगी है।

सामग्री:—

- डॅज-आल
- सूती कपड़े का टुकड़ा
- बॉल पेन
- कटोरी
- पानी



प्रक्रिया:—

1. हथेली के पीछे की त्वचा पर (बॉल पेन, लिपिस्टिक, शू-पॉलिश) किसी एक का दाग लगायें।
2. उस दाग पर डॅज-आल की कुछ बूंदों को गिरायें।
3. उसके बाद अंगुली से उसे दाग पर फैलायें।
4. सूती कपड़े से उस दाग को पोछ लें। (आप देखेंगे कि सारा दाग हाथ की त्वचा से साफ होकर सूती कपड़े पर आ जायेगा।
5. एक कटोरी में पानी लेकर उस कपड़े को (दाग वाला हिस्सा) उसमें लगभग 1 मिनट तक डुबोयें।
6. तत्पश्चात् कपड़े को पानी में रगड़ें।
7. कपड़ा बाहर निकाल लें।

परिणाम:—

- हाथों पर से कोमलतापूर्वक दाग हटाया।
- कपड़े पर से भी दाग को हटाया।

निष्कर्ष:—

डॅज—आल एक उत्पाद पर काम अनेक।

लाभ:—

आमतौर पर बाजार में बिकने वाले क्लीनर केमिकली होते हैं और अलग—अलग चीजों को साफ करने के लिए अलग—अलग क्लीनर लेना पड़ता है। परन्तु डॅज—आल नारियल तेल के अवयव से बना है और पूर्णतः पर्यावरण के अनुकूल है। आप इस बहुपयोगी क्लीनर से मशीनरी के ग्रीस, फर्श, कांच, लकड़ी, बर्तन से लेकर कपड़े तक की सफाई कर सकते हैं।

ऑटो वॉश

उद्देश्य:—

ऑटो वाश के सान्द्रता एवं कार्य क्षमता को दिखाना

सामग्री:—

- एक पारदर्शी पानी की बोतल
- कागज का एक छोटा टुकड़ा
- ऑटो वाश

प्रक्रिया:—

बोतल में आधा पानी भरें। ऑटो वाश के डिब्बे में एक कागज का टुकड़ा डुबायें। बाहर निकालकर कागज को झटक कर ग्राहक को दिखायें कि अब ऑटो वाश कागज में नाममात्र ही लगा है। ऑटो वाश लगे कागज को पानी के बोतल में डालें व ढक्कन को बन्द करके जोर से हिलायें।

परिणाम:—

बोतल में पानी के ऊपर पूरा झाग हो जाता है।

निष्कर्ष:—

मोदीकेयर ऑटो वाश बहुत ही शक्तिशाली व सान्द्र होते हैं। थोड़ी से मात्रा में ज्यादा सफाई करता है और इस्तेमाल करने में सस्ता पड़ता है।

